संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -68 सोमवार , 08 जनवरी 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पंजाब में 14 जनवरी तक बंद रहेंगे स्कूल

कड़ाके की ठंड को देखते हुए सीएम मान ने किया छुट्टी का एलान

चंडीगढ़,07 जनवरी 2024(ए)। कड़ाके की ठंड को देखते हुए पंजाब सरकार ने सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान (ने अपने एक्स अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि कड़ाके की ठंड को देखते हुए पंजाब के 10वीं कक्षा तक के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 8 जनवरी से 14 जनवरी तक छुट्टी रहेगी।

टीएमसी नेता सत्येन चौधरी की हत्या

बाइक सवार अपराधियों ने मारी गोली

मुर्शिदाबाद,07 जनवरी 2024 (ए)। तृणमूल कांग्रेस नेता सत्येन चौधरी की पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात रविवार दोपहर की बहरामपुर के चलटिया में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक सवार अपराधियों ने काफी करीब से टीएमसी नेता को गोली मारी। हादसे के बाद सत्येन चौधरी को मुर्शिदाबाद ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बालिका गृह से गायब 26 बच्चियों में से 10 मिलीं,अधिकारियों पर गिरी गाज

भोपाल,07 जनवरी 2024 (ए)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अवैध रूप से संचालित शेल्टर होम में रहने वाली 26 लड़कियां गायब पाई गई। इस बीच जानकारी आई कि 26 में से 10 बच्चियों को खोज निकाला गया है। भोपाल के कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि बालिका गृह से गायब 10 बच्चियां अयोध्या नगर क्षेत्र की रहने वाली हैं। बाकी बच्चियों के भी घर पहुंचने की बात सामने आई है। लड़कियों को मध्य प्रदेश के अलावा गुजरात, झारखंड और राजस्थान जैसे विभिन्न राज्यों से बचाकर भोपाल लाया गया था।

मालदीव के तीन मंत्रियों को भारत के प्रधानमंत्री पीएम मोदी पर टिप्पणी करना पड़ा भारी

तीनों मंत्री मंत्रिमंडल से किए गए निलंबित

» मालदीव सरकार ने कहा है कि मंत्री द्वारा की गयी टिप्पणी उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी है... इस तरह की भाषा सरकार की नहीं है...

नई दिल्ली,07 जनवरी 2024 (ए)। लक्षद्वीप में पर्यटन के मुद्दे पर भारत और मालदीव के बीच टकराव के बाद अब मालदीव ने अपने मंत्रियों पर कार्रवाई की है। गौरतलब है कि पीएम मोदी के लक्षद्वीप यात्रा के बाद से सोशल मीडिया पर दोनों ही देशों के लोगों में विवाद देखने को मिला था। इस टकराव में तेजी मालदीव के मंत्री अब्दुल्ला महज़ूम माजिद के एक्स पर किए गए पोस्ट के बाद आयी थी. हालांकि अब इस मामले में मालदीव की सरकार के तरफ से बयान जारी कर सफाई दी गयी है। मालदीव सरकार ने कहा है कि मंत्री द्वारा की गयी टिप्पणी उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी है। इस तरह की भाषा सरकार की नहीं है.। विदेशी नेताओं के खिलाफ टिप्पणियां मंत्री की अपनी टिप्पणी है। मालदीव की मीडिया के खबरों के अनुसार मालदीव सरकार ने तीन मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई भी की है। तीन मंत्रियों को सस्पेंड कर दिया गया है।

कैसे हुई विवाद की शुरुआत?

दरअसल पीएम मोदी ने अपने लक्ष्यद्वीप दौरे के अनुभव को एक्स पर साझा किया था. जिसमें पीएम ने लिखा था, ''जो लोग रोमांचकारी अनुभव लेना चाहते हैं, लक्षद्वीप उनकी सूची में जरूर होना चाहिए। मैंने स्नॉर्कलिंग की भी कोशिश की. यह कितना उत्साहजनक अनुभव था पीएम मोदी का ये पोस्ट काफी वायरल हुआ था और कई सोशल मीडिया यूजर्स ने लक्षद्वीप को मालदीव का वैकल्पिक पर्यटन स्थल कहा था। जिसके बाद से मालदीव सरकार के नेताओं की ओर से आपत्तिजनक टिप्पणियां आ रही हैं।

भारत में लोगों ने किया था कड़ा विरोध

मंत्री के बयान पर भारत में इसका कड़ा विरोध देखने को मिला था.।कई फिल्म स्टार और क्रिकेटरों ने ट्वीट कर बयान की निंदा की थी. फिल्म स्टार अक्षय कुमार ने एक्स पर लिखा है कि मालदीव की प्रमुख हस्तियों द्वारा भारतीयों पर घृणित और नस्लवादी टिप्पणियाँ की गई है। आश्चर्य है कि वे ऐसा उस देश के लिए कर रहे हैं जो उन्हें सबसे अधिक संख्या में पर्यटक भेजता है। हम अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छे हैं लेकिन हमें ऐसी अकारण नफरत क्यों बर्दाश्त करनी चाहिए? मैंने कई बार मालदीव का दौरा किया है और हमेशा इसकी प्रशंसा की है,लेकिन गरिमा पहले है. आइए हम भारतीय द्वीपों खोजे और अपने देश के पर्यटन को बढ़ावा दें।

इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच फूट!

» केजरीवाल ने समझौते से पहले गुजरात के भरूच से उम्मीदवार का किया ऐलान

» केजरीवाल ने नेत्रांग में जनसभा के दौरान ऐलान किया कि गुजरात की देदियापाड़ा विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा भरूच से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे

नई दिल्ली,07 जनवरी 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर विपक्षी दलों के बीच जारी कवायद के बीच आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के भरूच सीट से अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। केजरीवाल ने नेत्रांग में जनसभा के दौरान ऐलान किया कि गुजरात की देदियापाड़ा विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा भरूच से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। चैतर वसावा वन विभाग से जुड़े एक मामले में इस समय जेल में बंद हैं. बताते चलें कि इससे पहले जदयू ने भी अरुणाचल प्रदेश से अपने एक उम्मीदवार का ऐलान किया था।

अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर बोला हमला

रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि भाजपा ने चैतर वसावा को गिरफ्तार कर लिया, आदिवासी समाज के नेता को गिरफ्तार कर लिया. वो हमारे छोटे भाई जैसा है. लेकिन सबसे दु:ख की बात यह है कि उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया. शकुंतला बेन चैतर वसावा की पत्नी हैं, लेकिन हमारे समाज की बहू है. यह पूरे आदिवासी समाज के लिए अपमान की बात है.

आदिवासियों को नहीं मिल रहा है लाभ

केजरीवाल ने कहा कि . दिल्ली में हमने सबका इलाज मुफ्त किया है.। गुजरात में भी ऐसा होना चाहिए. आदिवासी समाज के लिए केंद्र और गुजरात सरकार से करोड़ों पैसा आता है लेकिन लोगों को इसका लाभ नहीं मिलता है। उन्होंने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि यह लड़ाई वसावा की नहीं आपकी है, आपके मान सम्मान की लड़ाई है. अगर आज चुप रहे, बैठे रहे तो भाजपा वालों के हौसले बुलंद हो जाएंगे।

22 जनवरी को विशेष पूजा आयोजित करवाएगी कर्नाटक सरकार

हैदराबाद,07 जनवरी 2024 (ए)। र्नाटक में सिद्दारमैया की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार अचानक बीजेपी की लाइन पर चलती नजर आने लगी है। राज्य सरकार ने फैसला किया है कि वह 22 जनवरी को सभी हिंदू मंदिरों में विशेष पूजा करवाएगी।

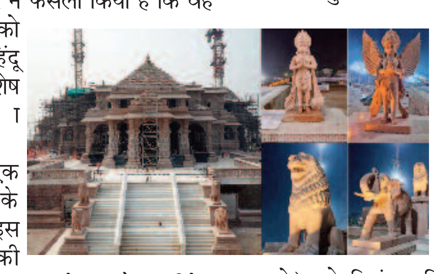

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बात की जानकारी खुद कर्नाटक के धार्मिक बंदोबस्ती मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने दी है। अभी तक विपक्षी बीजेपी कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर राम मंदिर को लेकर नकारात्मक रुख अपनाने का आरोप लगाती रही है।

रामलिंगा रेड्डी ने विशेष पूजा को लेकर कहा है,हम संक्रांति और दीपावली जैसे अवसरों पर मंदिरों में इस तरह की विशेष पूजा आयोजित करवाते हैं। अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन भी एक ऐसा ही अवसर है।

मुझे और सीएम को निमंत्रण नहीं मिलाः कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री

इस बारे में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मीडिया को बताया है, न तो सीएम को और ना ही मुझे कोई निमंत्रण मिला है। मैंने अखबारों में पढ़ा है कि हमारे अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन खड़गे) को निमंत्रण मिला है। इसपर पार्टी फैसला करेगी।

लोकसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस सरकार का यू-टर्न?

इसी साल लोकसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस सरकार के बदले रवैए को देखने से लगता है कि वह बीजेपी की ओर से खुद को हिंदू-विरोधी और मुस्लिम-समर्थक पार्टी के रूप में पेश किए जाने की वजह से अपना नया नैरेटिव तैयार करना चाहती है।

मुस्लिम महिला अपने पूर्व पति से गुजारे-भत्ते की हकदार

बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

मुंबई,07 जनवरी 2024 (ए)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के हक में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने तलाक के बाद गुजारा भत्ते से जुड़े एक मामले में फैसला सुनाते हुए कोई भी तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपने पूर्व पति से बिना किसी शर्त के भरण पोषण पाने की हकदार है। भले ही उसने दूसरी शादी ही क्यों न कर ली हो। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश पाटिल ने इस मामले में 2 जनवरी को सुनाए अपने फैसले में कहा, 'मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम- 1986 का सार यह है कि एक तलाकशुदा महिला अपने भरण-पोषण के लिए पूर्व पति से गुजारा भत्ता लेने की हकदार है। इसमें यह मायने नहीं रखता कि उसने दूसरी शादी कर ली है।जस्टिस पाटिल ने इसके साथ ही शख्स द्वारा अपनी पूर्व पत्नी को एकमुश्त गुजारा भत्ता देने के पिछले दो आदेशों को दी गई चुनौती को खारिज कर दिया। कोर्ट ने साफ किया कि धारा 3 (1) (ए) के तहत पति और पत्नी के बीच हुआ तलाक अपने आप में पत्नी के लिए भरण-पोषण का दावा करने के लिए पर्याप्त है। ऐसा अधिकारज तलाक के दिन ही साफ हो जाता है। बता दें कि इस जोड़े की शादी फरवरी 2005 में हुई थी और दिसंबर 2005 में एक बेटी का जन्म हुआ। इसके बाद पति काम के लिए विदेश चले गए, तो जून 2007 में, पत्नी और उनकी बेटी अपने माता-पिता के साथ रहने चली गई। इसके बाद अप्रैल 2008 में पति ने महिला को रजिस्टर्ड डाक से तलाक दे दिया।

बिलकिस बानो मामला

सुप्रीम कोर्ट दोषियों को सजा में छूट के खिलाफ

याचिकाओं पर आज सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली,07 जनवरी 2024 (ए)। बिलकिस बानो सामूहिक बलात्कार और बेटी समेत उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में दोषियों की जल्द रिहाई की अनुमति देने वाले गुजरात सरकार के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार (8 जनवरी) को अपना फैसला सुनाएगा।

फरार गैंगस्टर रवि काना की 70 करोड़ की संपत्ति जब्त

प्रशासन ने 4000 वर्ग मीटर के प्लाट को सील किया

ग्रेटर नोएडा,07 जनवरी 2024 (ए)। गैंगस्टर और स्क्रैप माफिया रवि नागर उर्फ रवि काना के खिलाफ नोएडा पुलिस ने फिर बड़ी करवाई की है। ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नोएडा के शाहदरा गांव में स्थित रवि की 70 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी को जब्त कर लिया। गैंगस्टर और गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी रवि काना को लेकर पुलिस लगातार दबिश देकर कारवाई कर रही है।

रवि द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को भी पुलिस जब्त कर रही है। ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 पुलिस ने शाहदरा गांव में स्थित एक 4000 वर्ग मीटर के प्लॉट और पांच दुकानों को सील कर दिया। इस संपत्ति की कीमत करीब 70 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस अब तक रवि नागर और उसके गिरोह की लगभग 300 करोड़ की संपत्ति को जब्त कर चुकी है, जिसमें उसकी स्क्रैप की दो फैक्ट्रियां, कई वाहन दिल्ली में स्थित उसके गैंग के सदस्य का एक मकान और

कई लग्जरी गाड़ियां शामिल हैं।

पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहे इसी गिरोह के एक सदस्य विक्की को गिरफ्तार कर लिया। विक्की सलारपुर का रहने वाला है। वह रवि के गिरोह के ट्रांसपोर्ट के काम को संभालता था। गैंगरेप के मामले में रवि नागर उर्फ रवि काना फरार चल रहा है। इसको लेकर पुलिस के द्वारा दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड सहित कई राज्यों में दबिश दे चुकी है। पुलिस की 5 से ज्यादा टीमें रवि और उसके गिरोह के सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस के द्वारा रवि के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी कर दिया गया है, लेकिन उसके बावजूद रवि अभी फरार चल रहा है।

एटीएस में तैनात एएसपी राहुल श्रीवास्तव और उनकी पत्नी समेत दोस्तों पर एफआईआर

लखनऊ,07 जनवरी 2024 (ए)। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक पीड़िता ने डीजीपी ऑफिस में तैनात एक चर्चित पुलिस अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने राहुल श्रीवास्तव नाम के एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ सेक्सुअल हैरेसमेंट के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। जिसको लेकर गोमतीनगर विस्तार थाने में राहुल श्रीवास्तव, उनकी पत्नी मानिनी श्रीवास्तव और राहुल के 4 दोस्तों के खिलाफ रेप, जबरन अबॉर्शन और आपराधिक धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

एफआईआर के बाद जांच शुरू

पुलिस सूत्रों के अनुसार करीब तीन महीने से पीड़ति राहुल श्रीवास्तव पर दुष्कर्म का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग कर रही थी और जब उसने सोशल मीडिया पर आखिरी चेतावनी दी तो प्राथमिकी दर्ज की गयी। तीन महीने बाद मुकदमा दर्ज होने के बाद पीड़िता ने राहुल श्रीवास्तव के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ ही निलंबित करने की मांग भी की है। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है।

यूपीएससी की तैयारी करने के दौरान पीड़िता राहुल श्रीवास्तव के संपर्क में आई थी। लंबे समय से डीजीपी ऑफिस में तैनात राहुल श्रीवास्तव डीजीपी के पीआरओ भी रह चुके हैं।

बीते 5 साल से यौन शोषण करने का आरोप

पीड़िता ने बताया कि राहुल श्रीवास्तव वर्तमान समय में यूपी एटीएस में एएसपी के पद पर तैनात हैं। पीड़िता ने राहुल श्रीवास्तव के खिलाफ सेक्सुअल हैरेसमेंट के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि पिछले दो महीने तक इस मामले में कुछ नहीं हुआ था। ट्वीट करने के बाद भरोसा दिलाया गया था कि न्याय मिलेगा। पीड़िता ने कहा कि मेरी फोटोज और वीडियो लेकर मुझे ब्लैकमेल कर रहे हैं।

आरोपी के निलंबन की मांग

पीड़िता ने राहुल श्रीवास्तव को निलंबित करने की मांग की है। इनकी पत्नी समेत सभी दोस्तों पर सख्त कार्रवाई करने की भी मांग की है। पीड़िता ने कहा कि मेरे पास सारे साक्ष्य मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि राहुल की पत्नी को घर जाकर इस बारे में बताया था, लेकिन आखिर में उन्होंने खुद प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। राहुल की पत्नी लखनऊ यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के पद पर तैनात हैं। पीड़िता ने बताया कि पैसे देकर मामले को दबाने की भी कोशिश की गई थी। बताया जा रहा है कि पीड़िता 2018 में यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। उसी तैयारी के दौरान पीड़िता राहुल श्रीवास्तव के संपर्क में आई थी। नंबर लेन-देन के बाद राहुल श्रीवास्तव स्टडी मटेरियल देते थे।

छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी प्रशासनिक सर्जरी का मामला पहुंचा पीएमओ

रायपुर,07 जनवरी 2024 (ए)। किसी भी राज्य में सरकार के बदलने पर प्रशासनिक सर्जरी आम बात है। मगर छत्तीसगढ़ में 3 जनवरी की देर रात की गई अब तक की सबसे बड़ी प्रशासनिक सर्जरी ने दिल्ली तक हलचल बढ़ा दी है। छत्तीसगढ़ में 87 आईएएस और एक आईपीए के तबादले के बाद से पूरे प्रदेश में प्रशासनिक तस्वीर ही बदल गई। अगले दिन कई दिग्गज नेताओं और अफसरों ने मनमानी का आरोप लगाया।मिली जानकारी के अनुसार इस ट्रांसफर को लेकर 5 दिसंबर तक कई शिकायतें पीएमओ तक पहुंची। पीएम नरेंद्र मोदी उस दौरान राजस्थान में दौरे पर थे। जहां उन्होंने मुख्यमंत्री और मंत्री को हिदायत देते हुए कहा कि सत्ता बदलते ही तबादलों का दौर शुरू हो जाता है।मैं इससे दूर रहा और आप को भी इससे दूर रहना चाहिए। मोदी ने यह भी कहा कि अफसर किसी पार्टी के नहीं होते।

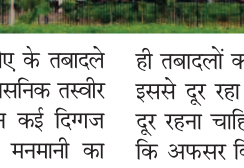

CMYK

संपादकीय

क्या सीएम आवास पर पड़ेगा ईडी का छापा?

अभी तक ऐसा नहीं हुआ है कि किसी केंद्रीय एजेंसी ने पद पर मौजूद मुख्यमंत्री के ऊपर कार्रवाई की हो और उसके आधिकारिक आवास पर छापा मारा हो। लेकिन अब एजेंसियों की सक्रियता और मुख्यमंत्रियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को देखते हुए ऐसा कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री आवास पर भी छापा मारा जा सकता है। कम से कम दो राज्यों, दिल्ली और झारखंड में इस बात की बहुत तेज चर्चा चल रही है कि प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी किसी भी समय दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के घर और कार्यालय पर छापा मार सकती है।

इससे पहले दिल्ली के मुखयमंत्री अरविंद केजरीवाल के कार्यालय में सीबीआई ने छापा मारा था लेकिन वह कार्रवाई मुख्यमंत्री के तत्कालीन प्रधान सचिव राजेंद्र कुमार के खिलाफ हो रही थी और सीबीआई ने उनके कार्यालय में घुस कर तलाशी ली थी। हालांकि तब भी आम आदमी पार्टी ने यही माहौल बनाया था कि सीबीआई ने सीएम ऑफिस की तलाशी ली है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में सीबीआई ने ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के यहां छापा मारा तो सिर्फ उन्हीं के घर और दूसरे परिसरों पर जांच हुई थी। एजेंसी ने काली घाट स्थित ममता बनर्जी और उनके भाई के घर पर छापा नहीं मारा था। लगता है कि जल्दी ही यह परंपरा टूट सकती है। आम आदमी पार्टी ने तो गुरुवार को ही छापा पड़ने की भविष्यवाणी की थी। राज्य की नंबर दो मंत्री आतिशी और अन्य नेताओं ने बुधवार क ट्विट करके दावा किया कि गुरुवार को केजरीवाल के आवास पर ईडी छापा मार सकती है और उनको गिरफ्तार कर सकती है। गौरतलब है कि केजरीवाल तीन बार के समन के बावजूद पूछताछ के लिए ईडी के सामने नहीं गए हैं। उधर झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सात बार के समन के बावजूद पूछताछ के लिए ईडी के ऑफिस नहीं गए हैं। इस बीच बुधवार को ईडी ने मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के यहां छापा मारा। तभी इस बात की आशंका जताई जा रही है कि अब हेमंत के यहां भी छापा पड़ सकता है।

विनम्रता और सज्जनता का मानवीय जीवन में शीर्ष स्थान

भारत की संस्कृति प्रागैतिहासिक काल से विनम्रता,सदाशयता और सज्जनता की रही है...महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए...

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़,

समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्गुण है जो उसे हर मुसीबत से विजई होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम,सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति अधजल गगरी छलकत जाए की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही

बड़ा भया तो क्या भया
जैसे पेड़ खजूर,
पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर

यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फ़ल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता,सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम राष्ट्रपति होने के बाद भी विद्यार्थियों के संपर्क में रहकर उनसे संवाद करते थे जो उनकी महानता को सदैव पुनीत करता रहा और उसी विनम्रता सहृदयता के कारण उन्हें भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी किया गया। ज्ञान का

पिपासु व्यक्ति केवल सूचनाओं का भंडारण नहीं करता बल्कि वह उन्हें विनयशील भी बनाने का प्रयास करता है और यही विनम्रता विशाल हृदयता व्यक्ति को जीवन पथ पर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करती है। विनम्रता से ही व्यक्ति पात्रता ग्रहण करता है और विनम्रता ही व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था में महान बनाती है ताकि उसका जीवन लोकहित में समर्पित रहे। विनम्रता व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक पहलु है। यदि नेतृत्व करता विनम्र हो उसके नेतृत्व को जनता स्वीकार करती है तो उससे अच्छा एवं समर्थ नायक राष्ट्र में नहीं पैदा हो सकता है। विनम्र शील व्यक्ति जनता के विचारों को आत्मसात कर अपने आप को परिपक्व बनाता है तथा अपने नेतृत्व को एक सही दिशा देने का कार्य करता है। विनम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी थे राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता रूपी एक लक्ष्य को प्राप्ति के लिए चुना था और अहिंसा महात्मा गांधी के दो आभूषण की तरह थे जो विनम्रता को और भी मजबूत करते थे। यही कारण है कि हमने उनके नेतृत्व में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। विनम्र व्यक्ति सदा सुखी एवं संतुष्ट रहता है क्योंकि उसकी ना तो महत्वाकांक्षा होती है, ना प्रतिस्पर्धा,ना द्वेष,ईर्ष्या ना लोभ ही होता है। सभी सद्गुणों से संपन्न व्यक्ति न सिर्फ अपने लिए बल्कि समाज के लिए भी बहुत उपयोगी होता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में एक बड़ा ही अनुकरणीय प्रसंग है कि जब वह ज्ञान प्राप्ति के लिए देशाटन में इधर-उधर वितरण कर रहे थे, तब लोगों ने उन पर पत्थर बरसाए उन्हें गालियां दी एवं उनको प्रताड़ित भी किया किंतु महात्मा बुद्ध इससे बिना विचलित हुए अपने कार्य तथा साधना की ओर अग्रसर होते हुए उन्होंने अंततः मां निर्वाण प्राप्त किया। और उनका ज्ञान का भंडार आज भी करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। विनम्रता और सदाशयता वह महान गुण है एवं क्षमता है जो किसी भी व्यक्ति या समाज का हृदय परिवर्तन कर सकती और जीवन को सार्थकता की ओर ले जा सकती जिस मार्ग पर चलकर व्यक्ति बहुत बड़ा एवं महान हो जाता है विनय शीलता ही मोक्ष है अर्थात विनम्र व्यक्ति जीवन में सार्थकता और जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विनम्रता तो व्यक्ति को धरातल से लेकर उठाकर हवा की तरह गगन के उस क्षेत्र में ले जाती है जहां वह सर्वोच्च कहे जाने वाले पर्वत से भी ऊंचा पहुंच जाता है। समाज का कुछ वर्ग विनम्रता को व्यक्ति की कमजोरी समझने का मुगालता पाल लेता है और इसी विनम्रता से ओतप्रोत व्यक्ति का आकार से दमन करने का प्रयास करता है किंतु यह एक सत्य बात है कि सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता ना ही प्राप्त किया जा सकता है, उसी तरह विनम्रता की शक्ति इतनी व्यापक होती है के पर्वत के समान कठोर बाधा भी दूर किसके सामने हो जाती है हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने विनम्रता के साथ ब्रिटिश बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया था। विनम्रता और सहिष्णुता ही है जिसने हमारी भारतीय संस्कृति को हजारों वर्षों से शास्वत बना के रखा है। किसी व्यक्ति समाज और किसी राष्ट्र के लिए विनम्रता सहिष्णुता और विचार शीलता ऐसे महान गुण उसे विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर कर सकते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पर्यावरण से मत कर खिलवाड़

अरे इंसान पर्यावरण से
मत कर तु खिलवाड़
पेड़-पौधों को काटकर,
क्यों करता है उजाड़।
इन्ही पेड़-पौधों से होती है
वसुंधरा का श्रृंगार
यही है सारे जीव-जगत का,
सुंदर वन विहार।
ये पेड़-पौधे हमारे,
हितैषी और शुभचिंतक हैं
इनके बिना हमारा,
जीवन बेकार निरर्थक है।
यही तो हमारे जीवन के
आधार मार्गदर्शक हैं
इनसे ही तो यह जीवन
सफल और सार्थक है।
विकास की आड़ में
विधवंस को नही बुलाएं
प्रकृति से खिलवाड़ करके
फर्ज नही भुलाएँ।
जैसा भी हो प्रकृति से,
जरूर संतुलन बनाएं
प्रकृति का संरक्षण करें,
इसको गले में लगाएं।
अभी न सम्हलेंगे
और इनसे खिलवाड़ करेंगे
तब हमें भयानक
परिणाम भी,भुगतने होंगे।
जमीन-आसमान,पर्वत-पठार
हिम ये दहलेंगे
ये धरती कांपेगी,भूकंप आएगा,
बादल फटेंगे।
और धरा में भयानक
काल-कयामत आएगी
सब जीव-जगत को
अपने आगोश मे ले लेगी।
और फिर इस मानव को,
करनी याद आएगी
भूल सुधारना चाहेगा
पर बहुत देर हो जाएगी।

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

फुगावों की मादकता से मुक्ति का समय

यह सुखद है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उत्साहीलालों की टोली की इस बिगुलबाज़ी की पूरी तरह अनदेखी कर रहा है और पूरी संजीदगी से सीट बंटवारे की प्रक्रिया को तजुर्बेकार लोगों की देखरेख में पूरी करा रहा है। कांग्रेस के भीतर अपनी तिकड़मों की बिसात बिछाते घूमते रहने वाले गिरोह ने यह राग अलापना भी शुरू किया था कि इंडिया-समूह के कुछ राजनीतिक दल ऐन वक़्त पर पलट जाएंगे, इसलिए कांग्रेस को अकेले चुनाव लड़ने की तैयारियां रखनी चाहिए। सिर्फ़ इच्छाधारी होने भर से अगर इच्छाएं पूरी होने लगतीं तो फिर बात ही क्या थी? फिर इच्छाएं अगर आसमानी हों तो वे यूं ही ज़मीन पर नहीं उतर आती हैं। उन्हें आसमानी परिश्रम के ज़रिए अपनी बाहों में भर कर ज़मीन तक लाना पड़ता है। ला कर ज़मीन में बोना पड़ता है। खाद-पानी देना पड़ता है। उसके बाद फूटने वाले अंकुरों को कीड़े-मकोड़ों से सहेजना पड़ता है। तब जा कर इच्छाओं के पौधे आहिस्ता-आहिस्ता पेड़ बनते हैं। यह काम दो-चार दिनों में नहीं होता है। इसके लिए अनवरत अनथक खटने की दरकार होती है। तब कहीं जा कर किसी की कोई इच्छा थोड़ी-बहुत पूरी होती है।

और, इच्छा अगर सामूहिक हो तो उसे मंज़िल तक पहुंचाने की राह सामूहिकता-भाव रख कर ही शक्ल लेती है। सामूहिक मेहनत, सामूहिक दरियादिली, सामूहिक समझदारी और सामूहिक अर्थवत्ता के बिना सामूहिक लक्ष्य हासिल करने की एक भी मिसाल इतिहास में नहीं है। इकलखुरेपन से, अपना-तेरी से, अहम्मन्यता से और 'तू चल, मैं आता हूं' के कांइयापन से मजमूई मकसद पूरे होने का एक भी उदाहरण अगर दुनिया के किसी पूर्ववृत्तांत में आप ने पढ़ा हो तो बताइए। लक्ष्यों तक पहुंचने की पद्धतियां सभ्यता के आरंभ से तय हैं। वे किसी के बदलने से बदलती नहीं हैं।

2024 की वसंत ऋतु गुजरने के बाद नरेंद्र भाई मोदी का वासंती-काल समाप्त होने की उम्मीद लगाए बैठे सकल-विपक्ष के सामूहिक लक्ष्य को अंजाम तक पहुंचाना कोई ख़ाला जी का खेल नहीं है। अगर इंडिया-समूह का कोई एक राजनीतिक दल या व्यक्ति यह सोच रहा हो कि वह अकेले अपने बूते यह क़रिश्मा कर दिखाएगा तो उसकी सूरमाई के परखच्चे उड़ते हम-आप ग़मगीन हो कर जल्दी ही देखेंगे।

ममता बनर्जी को अगर लग रहा है कि चूंकि उन्हें लोकसभा के पिछले चुनाव में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने 43.7 प्रतिशत वोट के साथ 22 सीटें दे दी थीं और कांग्रेस महज़ दो सीटें ही जीती थी, इसलिए सीट-बंटवारे में वे कांग्रेस को लड़ने के लिए दो ही सीटें देंगी तो जितनी जल्दी वे इस विपरीत-बुद्धि से बाहर आ जाएं, उनके लिए ही बेहतर होगा। ममता को यह नहीं भूलना चाहिए कि बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में अगर कांग्रेस ने अपना मूक-विलय उनकी तृणमूल के साथ न कर दिया होता तो वे 294 में से 222 सीटें नहीं जीत जातीं। उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि लोकसभा के पिछले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 40.6 प्रतिशत वोट के साथ 18 सीटें जीती थीं। तृणमूल और भाजपा के बीच तीन प्रतिशत वोट और चार लोकसभा सीटों का यह फ़र्क़ कोई बहुत लंबा-चौड़ा नहीं है।

अरविंद केजरीवाल को भी इस ख़ामख़्याली से बाहर आने की ज़रूरत है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में उन्हें मिली तुक्का-विजय से आम आदमी पार्टी सचमुच का राष्ट्रीय राजनीतिक दल बन गया है। आख़िर 2019 के लोकसभा चुनाव में पंजाब से उन्हें साढ़े सात प्रतिशत वोट के साथ सिर्फ़ एक ही सीट तो मिली थी। पिछले साल के विधानसभा चुनाव में भी पंजाब में कांग्रेस ने 23.1 प्रतिशत वोट और 18 सीटें हासिल की हैं। दिल्ली में भी कांग्रेस की उपस्थिति इतनी गई-बीती नहीं है कि केजरीवाल उसे खारिज कर दें। सो, अगर वे गरिमामयी तालमेल के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे तो उनकी निजी भावी सियासत ठोस बनेगी। नहीं तो वे इंडिया-समूह के साथ खुद की नींव को भी पोला बनाएंगे। ममता के बारे में तो मैं पूरी तरह आश्वस्त हूं कि बावजूद अपनी थोड़ी विचलन भरी पृष्ठभूमि के वे मोशा-भाजपा से गुपचुप गलबहियां इसलिए कर ही नहीं सकती हैं कि वे जानती हैं कि ज़रा-सी ग़फ़लत उन्हें कहां पहुंचा देगी। जांच एजेंसियों के डर की वज़ह से केजरीवाल की नीयत पर शक़ करने वालों से भी मैं सहमत नहीं हूं।

-पंकज शर्मा-

भीड़ में खोई जिंदगी!

मैं पंद्रह-बीस दिन भीड़ में खोया रहा। दिल्ली की भीड़, ट्रेन की भीड़, शादी की भीड़, एयरपोर्ट की भीड़! और ठंड-ठिठुरन, प्रदूषण, बदबू, बदहजमी, धुंध में ऐसा फंसा कि समझ नहीं आया कि करें तो क्या करें! लिखें तो क्या लिखें! कुछ वर्षों से मैं दीपावली के बाद, सर्दियों में दिल्ली से दूर राजस्थान में रहता हूं। लेकिन इस वर्ष दिल्ली में अभिन्न परिवारों से शादियों के न्योते थे तो दिल्ली आना पड़ा। और ठंड,भीड़, प्रदूषण से बच नहीं पाया। बुखार, वायरल, खांसी से दिमाग झनझनाया। और सवाल बना कि हम हो क्या गए हैं? सही है शुरू से ही भीड़ हमारी प्रकृति, दशा-मनोदशा और नियति है लेकिन भीड़ तो मुझे 1975 में दिल्ली आने के वक्त भी फील हुई थी। उन दिनों मैं भी 31 दिसंबर की रात और पहली जनवरी के दिन कनॉट प्लेस, इंडिया गेट इलाके में भीड़ के जश्न में होता था। पर तब और अब के माहौल और चेहरों का फर्क! तब न प्रदूषण था, न बीमारियां थीं और न इस तरह की खबरें पढ़ने को मिलती थी कि ठंड, प्रदूषण और हाइपरटेंशन से दिल्ली के लोगों में स्ट्रोक्स की 40 प्रतिशत बढ़ोतरी है। आईसीयू में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि है। स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारी का कारण ठंड और बढ़ता प्रदूषण है। और डॉक्टर बुखार, खांसी पर न केवल वायरल, वायरस की चेतावनी देते हैं, बल्कि कई तरह की जांच भी करवाते हैं।

दिल्ली में अस्सी-नब्बे के दशक में भी ठंड पड़ती थी। और इन सालों की तुलना में अधिक। पर तब ठंड में मजा था। मैं उन दिनों नई दिल्ली के एनडीएमसी इलाके में ही रहता था तो ठंड के बावजूद तालकटोरा पार्क घूमने का ठीकाना था। सर्दियों में दिल्ली के मंडी हाउस इलाके में संगीत, नाटक, कला प्रदर्शनियों, साहित्य अकादमी की गतिविधियों का अंबार लगा होता था। लोगों को याद नहीं रहा होगा मगर सत्य है जो अखबारों के लोकल पेज में तब 'आज के कार्यक्रम' में पूरा कॉलम जहांगीर आर्ट गैलेरी, कला प्रदर्शनियों, साहित्यिक लेखन, बहस का ठिकाना

शहर में होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों की सूचना देता था। रात-रात भर संगीत कार्यक्रम होते थे। त्रिवेणी, कमानी, एनएसडी, मार्डन स्कूल, प्रगति मैदान में शास्त्रीय संगीत, किताब चर्चा, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कला प्रर्दशनी जैसे त्रिनाले, नाट्य पखवाड़ा और दूतावासों के सांस्कृतिक केंद्रों में भी सिनेमा-कला के शो हुआ करते थे। वैसा अब कुछ नहीं है। दिल्ली सांस्कृतिक तौर पर पूरी तरह सूखी और उजड़ी हुई है। और सबसे बड़ा त्रासद सत्य दिल्ली में तब लोगों का जो हुजूम होता था, जिस कद-काठी के चेहरों का जो संभ्रात वर्ग दिखता था, उसकी कल्पना अब संभव नहीं है। इसलिए कि पहली बात तो दिल्ली में कला-साहित्य,नाटक,सांस्कृतिक गतिविधियां हैं कहां जो जमावड़ा बने? और जैसा दिल्ली में है वैसा मुंबई, कोलकत्ता, चेन्नई, पुणे आदि महानगरों में भी है। मुंबई-पुणे भी एक वक्त मराठी रंगमंच, होता था। लेकिन ये भी अब भीड़, धंधे, पैसे और झुग्गी-झोपड़ी के शहर हैं। जेआरडी के वक्त टाटा ग्रूप के आर्ट-कल्चर के जैसे प्रकाशन हुआ करते थे वैसा अब कुछ भी नहीं है। उनके उत्तराधिकारी रतन टाटा, अंबानी-अडानी जैसे कितने ही खरबपति पैदा हो गए हों लेकिन ये कुल मिलाकर गरबा डांस, फिल्मी ग्लैमर और दिखावे के, महज फैशन स्टेटमेंट हैं! टाटा ग्रुप ने ज्ञान-विज्ञान-रिसर्च की कितनी संस्थाएं बनाई थी जबकि रतन टाटा के वक्त एक भी नहीं। और लाइसेंस राज के अंबानी-अडानी आदि की देन पर तो सोचना ही क्या!

इस एक जनवरी को इंडिया गेट इलाका भीड़ से भरा था। कथित एलिट बाजार खान मार्केट के मेट्रो स्टेशन में बाहर तक लंबी लाइन थी। खान मार्केट में फैशन स्टेटमेंट याकि विदेशी ब्रांड के बैग, कपड़े आदि के लटके-झटके के कथित कुलीन चेहरों के साथ भदेस चेहरों का कुछ ऐसा नजारा था कि जुगुप्सा बनी कि हम कैसे बेड़ौल, अजब नमूना बन गए हैं! तिरंगी लाइटिंग और पत्थरों को देखने- घूमने के नाम पर भीड़ का नजारा ऐसा था मानों मेरे बचपन के अनुभवों का तेजाजी मेला हो। सही बात है कि दिल्ली-एनसीआर में आधी से अधिक आबादी अब झुग्गीवासियों की है तो भीड़ का आकार-प्रकार बदलेगा ही। कई मायनों में लगता है पीवी नरसिंह राव के उदारीकरण के बाद राजधानियों-महानगरों में गांव-देहात से लोगों के आने का जो सैलाब बना और मनमोहन सिंह-अरविंद केजरीवाल के कारण रेहड़ी अधिकार से लेकर, झुग्गी-झोपड़वासी की लाभार्थी क्लास बनने के दसियों तरह के प्रभावों में क्रास भीडका सैलाब बना हैं। ऊपर से सोशल मीडिया, आबादी में रिकार्ड तोड़ उछाल (इसी सदी में भारत 180 करोड़ लोगों की भीड़ लिए हुए होगा।) और जलवायु परिवर्तन की अलग मार है। तभी इस सदी में यह सत्य साल-दर-साल गंभीर बनना है कि इक्कीसवीं सदी भारत की भीड सदी होगी। प्रदूषित सदी होगी। बीमारियों की सदी होगी। लोगों को बेड़ौल, भदेश याकि क्रास भीड़ में कनवर्ट करवाने वाली सदी होगी! और महानगर कतई रहने लायक नहीं होंगे।

-हरिशंकर व्यास-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भोले के संग झूमें

झूम-झूम कर भोले देखो,
जग से नेह बढ़ाते हैं,
मन के भंवरे घूम-घूम कर,
भोले के गुण गाते हैं।
झूम -झूम कर भोले ...
भोले की इस प्रीत नें सारे,
जग में धूम मचाई है,
तम की फैली थी कालिमा,
उसमें सेंध लगाई है।
झूम-झूम कर भोले ...
दूर नहीं भोले हैं हमसे,
घड़ी मिलन की आई,
भोले ने मेरे जीवन में,
प्रेम की अलख जलाई।
झूम-झूम कर भोले ...
मैंने भोले की आंखों में,
जब-भी झांक कर देखा,
था जीवन रेखाओं का सच,
लगा नहीं कभी धोखा।
झूम-झूम कर भोले ...
आओ हिलमिल भोले के संग,
झूम-झूम कर गाएं,
धरा आसमां झूम उठे फिर,
भोले भी मुस्काएं।
झूम-झूम कर भोले..

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,मध्यप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मानव,गिरि-कानन,सिंधु कर रहे धरा की सवारी

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,
उत्तरप्रदेश.

लेख का शीर्षक पाठक को आश्चर्यचकित कर रहा होगा कि आखिर हम मनुष्य,पहाड़,जंगल, जानवर, विशाल सागर और अन्यान्य छोटे-बड़े जीव-जंतु धरती की सवारी कैसे कर सकते हैं ? और यदि हम सवारी कर रहे हैं तो यह धरती हमें गति करते हुए दिखती क्यों नहीं और हम गतिमान पृथ्वी पर सवारी करते हुए स्थिर होकर दैनंदिन कार्य-व्यवहार सहजता पूर्वक कैसे सम्पन्न कर लेते हैं। और धरती हमें कहीं और क्यों नहीं ले जाती या हमारे घर-परिवार, पड़ोस मकान आदि की भौगोलिक स्थितियां परिवर्तित क्यों नहीं होतीं, क्योंकि हम सभी साथ-साथ घूम रहे हैं। सामान्य तौर पर व्यक्ति, जीव-जंतु या वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने हेतु सवारी साधन का प्रयोग किया जाता है। दरअसल सवारी का अर्थ किसी चलित वस्तु से है, इस अर्थ में देखें तो हमारी पृथ्वी अपने जन्म काल से लगातार चल रही है और हम सभी उस पर सवार हैं। पर हमें यह कैसे पता चला कि पृथ्वी चल रही है। यह जानकारी समाज तक पहुंचाने का श्रेय जाता है लियोन फौकॉल्ट को। कौन है यह महनीय व्यक्तित्व और इसने क्या किया था, आईए उनके योगदान को जानते हैं।

फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी ज़ीन बर्नाड लियोन फौकॉल्ट ने 8 जनवरी, 1851 को अपने उपकरण एक खास प्रकार के पेंडुलम के माध्यम से पहली बार पृथ्वी के अपने अक्ष में घूमने का सफल प्रयोग करके दुनिया को दिखाया। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को स्मरण रखने हेतु प्रत्येक वर्ष 8 जनवरी को पृथ्वी घूर्णन दिवस या अर्थ रोटेशन डे मनाया जाता है ताकि आने वाली पीढ़ियां लियोन फौकॉल्ट के महान योगदान से परिचित हो श्रद्धा व्यक्त कर सकें। हालांकि इसके पूर्व भी बहुत सारे विज्ञानियों इस सम्बंध में कुछ प्रयोग किए थे पर वह पूर्णता तक नहीं पहुंच पाए थे। यदि हम भारतीय संदर्भ की बात करें तो आर्यभट्ट ने सर्वप्रथम पृथ्वी के गोलाकार होने तथा अपने अक्ष (धुरी) पर घूर्णन करने के बारे में बताया था। पृथ्वी का अक्ष एक काल्पनिक रेखा या बिंदु है जिस पर पृथ्वी 66म1/2 डिग्री का कोण बना पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर घूर्णन करती है। पृथ्वी अपने अक्ष पर घूर्णन करते हुए लगभग 24 घंटे (23 घंटे 56 मिनट एवं 4 4 सेकेंड) में एक चक्कर पूरा करती है। इसी घूर्णन गति के कारण हम पृथ्वी पर दिन और रात का अनुभव करते हैं। पृथ्वी की अपने अक्ष पर घूर्णन गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। घूर्णन गति के अलावा पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा भी करती है जिससे पृथ्वी पर ऋतुओं में बदलाव

होता है। सूर्य की एक परिक्रमा करने में पृथ्वी को 365 दिन 6 घंटे 4 सेकंड लगता है। सवाल उभरता है की इतनी तीव्र गति से घूर्णन करने वाली पृथ्वी पर हम स्थिर कैसे हैं। सामान्यतः कह सकते हैं कि पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति सभी को अपनी ओर खींचें रहती है। यदि ऐसा न होता तो पृथ्वी पर कुछ भी स्थिर नहीं होता। उपग्रह राकेट आदि प्रक्षेपण के लिए पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से बाहर निकलना आवश्यक होता है जिसे पलायन वेग कहा जाता है जोकि 11.186 किमी प्रति सेकेंड है। पृथ्वी सौर परिवार का सूर्य से तीसरा ग्रह है जिसके 71प्रतिशत भाग पर जल तथा 29 प्रतिशत भूमि भाग है। यह 71 प्रतिशत का 99 प्रतिशत जल खारे पानी के रूप में महासागरों में है। केवल 1 प्रतिशत मीठा जल ग्लेसियर, झीलों, नदियों, तालाबों और कुओं में उपलब्ध है। पृथ्वी पर जल की उपलब्धता द्रव, गैस और ठोस रूप में है। 1972 में अंतरिक्ष यान अपोलो -17 ने अंतरिक्ष से पृथ्वी का एक संपूर्ण चित्र लिया था जिसे ब्लू मार्बल के नाम से जाना जाता है, तभी से पृथ्वी को नीला ग्रह भी कहा जाने लगा है। पृथ्वी में 78त्न नाइट्रोजन गैस और 21 प्रतिशत ऑक्सीजन गैस की उपलब्धता है शेष भाग में कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड तथा अक्रिय गैस और जलवाष्प है। यदि हम पृथ्वी की विषुवतीय त्रिज्या की बात करें तो यह 6378.1 किमी तथा ध्रुवीय त्रिज्या 6356.8 किमी है क्योंकि पृथ्वी उत्तरी एवं दक्षिणी ध्रुवों पर गोलाकार न होकर आंशिक चपटी है। सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी को अंतरिक्ष में टिकाए हुए है।

वास्तव में पृथ्वी सभी प्राणियों एवं वनस्पतियों का आश्रय स्थल है। वह सम्पूर्ण चराचर जगत् को धारण करने वाली धरा है। वह नाना विधियों से जीव-जंतुओं का पोषण करने वाली माता है, इसीलिए भारतीय वांग्मय में मनुष्य ने स्वयं को उसकी सन्तान स्वीकार कर माता के रूप में अर्चना आराधना करते हुए माता भूमि्न पुत्रोहं पृथ्वियाः कहा है। धरती रत्नों की खान है इसलिए वह रत्नगर्भा है। वह फटरस से युक्त है। वह सुगंधा है, मेघों को आकर्षित करने वाली है। अपनी पीठ पर गिर कानन को स्थान दे समस्त जीव-जंतुओं के लिए भोजन और औषधियों को प्रदान करने वाली ममतायुक्त वत्सला मां है। वह चिर शांति स्थिर प्रज्ञा है। वह सहनशक्ति और धैर्य की पराकाष्ठा का अंतिम बिंदु है। धरा स्वधर्म पालन एवं व्यवहार में मौन तपस्यारत है। पर मानव के लालच ने ऊँचे पहाड़ खोदकर विशाल गड्ढे बना दिए। सदानीरा नदियों का वक्षस्थल चीरकर बालू की अंतिम परत तक निकाल ली। जलद मीत कानन मानव तृष्णा की भेंट चढ़ गये। फलतः पृथ्वी का अक्षीय संतुलन अस्थिर हो रहा है जिसका असर उसकी घूर्णन गति पर पड़ रहा है। विज्ञानी चिंतित हैं और हम ? विचार करें पृथ्वी है तो हम हैं, हमारी खुशियां है और है अनेकानेक जीव-जंतुओं का सान्निध्य-साहचर्य। पृथ्वी मां है, अपनी संतान के जीवन निर्वाह के लिए वह दोनों हाथ उदारमना हो उपहार बांट रही है। हम पृथ्वी मां की सेवा साधना करें, विनाश नहीं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

क्या संभागीय उड़न दस्ता दल सिर्फ वसूली में व्यस्त, वाहनों की जांच करने की बजाए वसूली ही उद्देश्य ?

उड़न दस्ता दल क्यों नहीं करते यात्री बसों व टैक्सी परमिट गाड़ियों की जांच?

» उड़न दस्ता दल प्रभारी संदीप गुप्ता की कार्यप्रणाली नहीं है ठीक,उतरना पड़ता है क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को जांच में...

» कंडम बसें दौड़ रही सड़कों पर उड़न दस्ता प्रभारी को नहीं दिखती रास्ते में कंडम बस...

» उड़न दस्ता प्रभारी कि वाहन में दो निजी व्यक्ति हमेशा रहते हैं सवार...उन्ही दो के खातों में डिजीटल माध्यम से मांगते हैं पैसा फिर अपने खाते में करते हैं ट्रांसफर

» परमिट किसी अन्य वाहन की और उसी परमिट पर दौड़ती है कोई अन्य वाहन पर उड़न दस्ता प्रभारी नहीं पकड़ पाते ऐसे वाहनों को

-भूपेन्द्र सिंह -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग द्वारा संभागीय स्तर पर उड़न दस्ता दल गठित कर रखा गया है ताकि सड़क सुरक्षा पर ध्यान दिया जा सके पर क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर का संभागीय उड़न दस्ता दल इस समय अलग ही दास्तान बयां कर रहा है, इन्हें वाहन जांच करने में दिलचस्पी नहीं है सिर्फ उगाही में इनका ध्यान है यही वजह है कि यात्री बसें बिना परमिट की दौड़ रही हैं और जो बस दौड़ भी रही है तो परमिट किसी और का और चल रही है कोई और बस यहां तक की कंडम बसें भी सड़कों पर दौड़ रही हैं पर उड़न दस्ता प्रभारी को जांच करने की फुर्सत नहीं सूत्रों की माने तो उड़न दस्ता दल प्रभारी के गाड़ी में दो अन्य निजी व्यक्ति बैठे रहते हैं और वह हमेशा उस गाड़ी में उनके साथ मिल जाएंगे ऐसा बताया जाता है कि जांच के एवज में सिर्फ उगाही होती है और उगाही का पैसा उन दोनों निजी लोगों के खाते में अलग-अलग माध्यम से जाता है फिर उनके खाते से प्रभारी साहब के खाते में जाता है यदि जांच हो जाए तो उगाही की असलियत ही खुल जाएगी पर सवाल यह है कि आखिर जांच करें तो करेगा कौन क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी का काम नहीं है जांच करना फिर भी उड़न दस्ता दल सही तरीके से काम ना कर पाने की वजह से शिकायतों पर उन्हें खुद उतरना पड़ता है जांच में।

कंडम बसें दौड़ रही सड़कों पर

यात्री बसें जो यात्रियों को लेकर सड़कों पर दौड़ रही है उसमें से लगभग यात्री बस कंडम हालत में है किसी का हेडलाइट टूटा है तो किसी का सामने का कांच टूटा है तो किसी का ब्रेक लाइट टूटा है यदि देखा जाए तो यात्रियों को बिना सुविधा वाली वाहनों में सफर करना पड़ रहा है, जो खतरे से खाली नहीं है फिर भी उड़ान दस्ता दल इन वाहनों पर कार्यवाही कर पाने में असमर्थ दिख रहा है। कई यात्री बस तो ऐसी हैं जिसमें यात्री बरसात में बैठकर जाते तो जरूर है पर टपकती बस की छतो की वजह से भीग भी जाते हैं। बस से पानी टपकने के बावजूद यात्रियों को पैसा देने के बाद बस में यात्रा करना मजबूरी बन जाता है।

दुर्घटना होने पर भी नहीं पहुंचते उड़न दस्ता दल प्रभारी,दुर्घटना स्थल पर

उड़न दस्ता दल का यह भी काम है कि यदि यात्री बस है या स्कूल बस कभी कोई हादसा होता है तो वहां पर पहुंचकर जांच परख करना चाहिए पर ऐसा करने से भी उड़न दस्ता दल परहेज करते है ,किसी भी गंभीर दुर्घटना में उड़न दस्ता दल नहीं पहुंचता जिस वजह से दुर्घटना की वजह का पता नहीं चलता ,कई बार दुर्घटना यात्री बसों की कमियों की वजह से भी हो जाती है जिसे उड़न दस्ता दल नजअंदाज करता है।

यात्री बसें बन गई है माल वाहक बसें

यात्री बसों का काम है यात्रियों को लेकर चलना पर अधिकांश यात्री बसें यात्रियों से ज्यादा माल वाहक बनकर दौड़ रहीं हैं, यात्रियों से ज्यादा कमाई उन्हें माल ढोने में हो रही है जिस वजह से वह माल वाहक यात्री बसें बनकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं,पर उड़न दस्ता दल को जांच करने की फुर्सत नहीं।

20 प्रतिशत बस बिना परमिट की दौड़ रही हैं,वहीं 60 प्रतिशत कंडम बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं...

पूरे संभाग में यदि यात्री बसों की हालत की बात की जाए तो 20 प्रतिशत यात्री बसें बिना परमिट के यात्रियों को लेकर सड़कों पर दौड़ रही हैं जिसकी सुध लेने की फिक्र उड़न दस्ता दल को नहीं है वहीं 60 प्रतिशत बसें कंडम हालत में हैं जो कभी भी बड़ी दुर्घटना का सबब बन सकती हैं यात्रियों की जान को खतरा हो सकता है,लेकिन उड़नदस्ता दल को कोई वास्ता नहीं इन सभी चीजों से उसे केवल समय पर वसूली से मतलब है जो वह कर रहा है। आज यात्री बसों को देखकर ही जाना जा सकता है किस बस की कैसी हालत है फिर भी उड़नदस्ता दल इस देखकर अनदेखा कर रहा है यात्रियों की जान जोखिम में डाल रहा है।

आखिर दो निजी व्यक्ति उड़नदस्ता दल प्रभारी के साथ प्रतिदिन क्यों दिखते हैं उनकी गाड़ी में ?

एक सवाल यह भी है जो लगातार उठ रहे हैं की उड़नदस्ता दल प्रभारी की गाड़ी में दो निजी लोग क्या करते रहते हैं। वह किस काम के लिए उनकी गाड़ी में नियुक्त हैं। लोगों का कहना है की उड़न दस्ता दल प्रभारी जब भी जांच में निकलते हैं उनकी गाड़ी में दो उनके निजी लोग सवार रहते हैं जिसकी जांच किए जाने की बात भी लोग कह रहे हैं।

यात्री व स्कूल बसों के दुर्घटना पर भी नहीं पहुंचता उड़नदस्ता दल

कभी कोई यात्री बस या कोई स्कूल बस जब दुर्घटना ग्रस्त होती है तब भी उड़नदस्ता दल प्रभारी दुर्घटना स्थल पर नहीं पहुंचते हैं जबकि उन्हे पहुंचना चाहिए और कारण की जांच की जानी चाहिए की आखिर क्यों दुर्घटना हुई क्या दुर्घटना का कारण बस की कोई कमी है या अन्य कोई कारण। कुल मिलाकर उड़नदस्ता दल प्रभारी अपने कर्तव्य से लगातार मुंह मोड़ते नजर आ रहे हैं।

हसदेव अरण्य क्षेत्र के दौरे में आ रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के काफिले में शामिल लोगों को पुलिस ने पकड़ा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिला के हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोल परियोजना के लिए किए जा रहे तैयारियों से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात करने और हसदेव अरण्य क्षेत्र का निरीक्षण करने रायपुर से आ रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के काफिले में शामिल लोगों को पुलिस द्वारा पकड़े जाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस द्वारा एक वीडियो सोशल मीडिया में अपलोड किया गया है। आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के साथ रायपुर से हसदेव अरण्य क्षेत्र जाने यूथ कांग्रेस,छग क्रांति सेना के कार्यकर्ता तैयारी कर रहे थे, इसी बीच कथित तौर पर पुलिस द्वारा कुछ कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की गई, नही मानने पर पकड़ थाने ले गए। कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस द्वारा रोके जाने पर इसकी वीडियो बना सोशल मीडिया में वायरल कर दी गई। विदित हो कि एक दिन पूर्व शनिवार को कांग्रेस की जांच समिति द्वारा द्वारा हसदेव अरण्य क्षेत्र का निरीक्षण किया गया था, इस दौरान प्रभावित ग्रामीणों के हवाले से कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि इस इलाके में कोल उत्खनन के लिए जिन दस्तावेजों को आधार बनाया गया उसमें ग्रामीणों के फर्जी दस्तखत से सहमति पत्र बनाए गए। यह भी आरोप लगाया गया है जिनकी मौत 10 से 15 साल पहले हो चुकी है उनके नाम और दस्खत भी सहमति पत्र, रजिस्टर में दर्ज हैं। इसी तारतम्य में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का आज रविवार को हसदेव अरण्य क्षेत्र में दौरा, निरीक्षण प्रस्तावित है।

मैंने जो भी किया वह तभी संभव हो पाया क्योंकि आप सभी मेरे साथ थे:कुंदन कुमार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

आज मेरे लिए काफी भावनात्मक पल है। आप सभी के प्यार,स्नेह लोगों की आस आज मुझे जो शब्दों के माध्यम से मिली है, मैं भाव विभोर हूं। मेरे पास शब्दों की कमी पड़ रही है। उक्त बातें कलेक्टर कुंदन कुमार ने नगर के राजमोहिनी भवन में नागरिक मंच सरगुजा द्वारा आयोजित उनके विदाई समारोह में कही। उन्होंने कहा इतना लंबा कार्यक्रम आज तक मैं नहीं देखा, जहां लोग इतने सहज तरीके से सभी को सुन रहे हैं। कुंदन कुमार ने कहा उन्होंने जो भी किया वह तभी संभव हो पाया जब आप सभी नागरिक मेरे साथ थे। आप लोगों के बिना कोई काम संभव नहीं था। यह मैंने नहीं आप लोगों ने किया है। इतनी ताकत इतना प्यार आप लोगों ने जो दिल से मुझे दिया इसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। उन्होंने कहा कि मेरे पास कभी भी कोई आता था तो मैं अपने आप को उनके स्थान पर रखकर सोचता था। क्योंकि जो व्यक्ति मेरे पास आता था मुझे मालूम है कि वह हर जगह घूम कर परेशान हो जाता था, अगर मेरे पास आकर भी उसे न्याय नहीं मिलता तो वह कहां जाता. आयोजन को नागरिक मंच सरगुजा के जेपी श्रीवास्तव, द्वितेन्द्र मिश्रा,आलोक दुबे ,कैलाश मिश्रा ,विवेक दुबे सहित अन्य ने संबोधित करते हुए कहा कि कलेक्टर कुंदन कुमार ने अपने कार्यकाल में सरगुजा क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखा है। कलेक्टर का नहीं बल्कि कुंदन कुमार का है।. किसी पद का सम्मान जब किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत सम्मान मिलता है तो यह साबित हो जाता है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में बहुत कुछ किया।.आखिरी व्यक्ति तक शासकीय योजना इस दिशा में कलेक्टर कुंदन कुमार ने काम किया.त्रिलोक कपूर कुशवाहा,करता राम गुप्ता,हेमंत तिवारी, डॉ एके सिंह, इरफ़ान सिद्दीकी, राम लखन पैकरा, कौशलेंद्र पांडे, अशफाक अली,प्रमोद चौधरी, मंजूषा भगत, नगर नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार सहित भारी संख्या में स्वच्छता दीदिया वह अन्य लोग मौजूद थे। पूरे आयोजन का संचालन नरेंद्र सिंह टूटेजा ने किया।

कमल नयन बने अनुदान प्राप्त शिक्षक कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

शासकीय अनुदान प्राप्त शिक्षक कर्मचारी संगठन जिला सरगुजा एवं बलरामपुर की संयुक्त इकाई की निर्वाचन प्रक्रिया बिशप हाउस के सभागार में संपन्न हुई। प्रांतीय पर्यवेक्षक अक्षय सिन्हा एवं संतोष सिंह के उपस्थिति में निर्वाचन कार्य संपन्न कराया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद हेतु कमल नयन त्रिपाठी,सचिव निरंजन हालदार एवं कोषाध्यक्ष अजय यादव को निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव में सरगुजा व बलरामपुर जिले के 30 विद्यालयों के लगभग 100 शिक्षक कर्मचारियों ने भाग लिया।

हसदेव आंदोलन के नाम पर सियासत का जमीनी हकीकत कुछ और

» हसदेव बचाओ आंदोलन में महज हो रही सियासत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

हसदेव बचाओ आंदोलन की रियलिटी सरगुजा हसदेव अरण्य बचाओ आंदोलन कर रहे ग्रामीण किसी भी सूरत में पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने भाजपा-कांग्रेस सभी को हसदेव के मामले में सियासी खेल करने वाला बताया है। प्रदर्शन में शामिल लोगों की शिकायत है कि पार्टियों के नेता यहां आते हैं फोटो खिचाते हैं और चले जाते हैं। सियासी पार्टियों के लगातार आंदोलन में पहुंचने से उनको कोई मदद नहीं मिल पा रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सियासी पार्टियों के आने से उनका आंदोलन कमजोर पड़ सकता है।

टीएस सिंहदेव भी राजनीतिक बातें करते हैं। वर्तमान विधायक राजेश अग्रवाल से तो मुलाकात तक नहीं हुई है,लेकिन हम सब ग्रामीण एक जुट हैं। अडानी कुछ 12-13 लोगों को अपना एजेंट बनाकर ये दिखाना चाहता है कि ग्रामीण खदान के पक्ष में है।

आंदोलनकारी पार्टी के लोग कर रहे सियासत

जब आंदोलनकारियों से पूछा कि पूर्व डिप्टी सीएम ने ग्राम सभा के कानून पर एक होने की सलाह दी थी। तो उन्होने कहा था कि अगर आप एकजुट रहेंगे तो सफलता मिलेगी। इस सवाल पर आन्दोलनकारियों ने कहा कि सब सियासी खेल कर रहे हैं. अब तक एक भी नेता यहां झांकने तक नहीं आए. महज सियासत हो रही है. हालांकि हम जंगल कटने नहीं देंगे। किसी भी ग्राम सभा के प्रस्ताव पर हमने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। प्रशासन और अडानी के एजेंट मिलकर ग्राम सभा का फर्जी प्रस्ताव बनाये थे।अब हमारे आंदोलन को देश भर में संगठनों का साथ मिल रहा है। आगे आंदोलन का और विस्तार होगा। आज आंदोलन को समर्थन करने छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से 11 महिला समाजसेवियों की टीम हरिहरपुर पहुंची थी। जंगल से ऑक्सीजन सभी वर्ग को मिलता है. इसे बचाने की जिम्मेदारी भी सभी की है। सिर्फ आदिवासी वर्ग ही क्यों लड़ाई लड़ रहे हैं।

दिसंबर में पूरे जंगल की हुई थी कटाई

दरअसल,21 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य का वो हिस्सा जो कोरबा जिले की सीमा पर सरगुजा जिले के उदयपुर तहसील में स्थित है। यहां के गांव घाट बर्रा के पेंड्रा मार जंगल को पूरी तरह काट दिया गया। जंगल बचाने वाले ग्रामीणों को या तो हिरासत में ले लिया गया या उनके घर में ही पुलिस ने उन्हें नजर बंद कर दिया। दिन में प्रशासन ने यहां प्रस्तावित कोल परियोजना परसा ईस्ट केते बासेन के लिए सारे पेड़ काट दिए. इससे पहले सितम्बर 2022 में यहां पेड़ काटे गए थे 43 हेक्टेयर के 8000 पेड़ काटे गए थे।

साल 2010 में खादान खोलने पर हुई थी चर्चा

हसदेव क्षेत्र में खदान खोलने का सिलसिला वर्ष 2010 में शरू हुआ। केंद्र की कांग्रेस सरकार ने इसकी स्वीकृति दी और सूबे में बैठी भाजपा ने इसका प्रस्ताव भेजा था। 2010 में स्वयं केन्द्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सम्पूर्ण हसदेव अरण्य क्षेत्र में खनन को प्रतिबंधित रखते हुए नो गो एरिया घोषित किया था। फिर इसी मंत्रालय के वन सलाहकार समिति ने खनन की अनुमति नहीं देने के निर्णय से विपरीत जाकर परसा ईस्ट और केते बासन कोयला खनन परियोजना को वन स्वीकृति दी थी, जिसे वर्ष 2014 में माननीय ग्रीन ट्रिब्यूनल ने निरस्त भी कर दिया था। इस क्षेत्र में प्रस्तावित कोल परियोजनाओं को शुरू कराने शासन और प्रशासन पूरी जद्दोजहद कर रहा है। प्रशासन जंगल काटने में सफल भी हो गया, लेकिन इन ग्रामीणों के हौसले बुलंद हैं। ये किसी भी सूरत पर पीछे नही हटने वाले हैं। अब देखना यह होगा की जंगल बचाने और उजाडने की इस जंग में जीत किसकी होती है।

साहित्यकार बी0डी0 लाल ने की सन्यास की घोषणा

-अविनाश सिंह-
अम्बिकापुर,07 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

लगभग पॉच दशक से सार्वजनिक मंच पर अपनी कविताओं से श्रोताओं की वाह-वाही लूटने वाले सरगुजिहा छत्तीसगढ़ी रमायन के रचयिता श्री वंशीधर लाल ने विगत 24 दिसम्बर 2023 को सार्वजनिक मंच से सन्यास लेने की घोषणा कर अपने चाहने वालों को सकते में डाल दिया। स्मरणीय है कि म.प्र. छत्तीसगढ़ सरकार के आदिम जाति कल्याण विभाग में उच्चतर माध्यमिक विध्यालय के प्राचार्य पद सेवा निवृत हो श्री लाल रचना धर्मिता में समर्पित भाव से जुड़ गये । इस बीच उनकी कई पुस्तके प्रकाश में आयी जिनमें सरगुजिहा छ.ग. रमायन को आम लोगों ने हाथ-ओ-हाथ लिया इसका विमोचन तात्तकालीन छ.ग. सरकार के मंत्री की रामविचार नेताम के कर कमलों से दिनांक 14/12/2010 को स्थानीय उच्च विश्रामगृह अम्बिकुपर में किया गया । पुस्तकों के प्रकाशन का क्रम अनवरत जारी है। (1) ओह धृतराष्ट्री-खण्ड कावा 2 सरगुजा-गीतों के गवाक्षों से-गीत संग्रह 3. गुलदस्ता-ए-गीतओं-गजल 4. बात आम आदमी की-भाव्य संग्रह 5. आओ हम याद करें-भारत के लालन को।

कविता संग्रह-इनके अतिरिक्त अनेक पुस्तके मुद्रण की प्रतीक्षा में है जिनमें दैनिक समाचार पत्र घटती घटना में प्रकाशित-हमर सियान सरगुजिहा बोली में धारावाहिक भारत के विशिष्ट महापुरूषों की जीवनी उल्लेखनीय है। यहां यह स्मरणीय है कि आदिवासी संत श्री गहिरागुरू जी के जीवन पर आधारित गहिला पचीसी हिन्दी और सरगुजिहा बोली में प्रकाशित है। 02. ज्ञातका है कि श्री लाल का साहित्य जीवन एक समय सरगुजा के कालापानी के नाम से मुख्यालय सामरी तहसील के कुसमी मुख्यालय से प्रारम्भ हुआ जव उन्होने लिखा कुसमी कश्मीर है,जिला सरगुजा का (सन्1967) यह परवान चढ़ा तत्कालीन रायपुर जिला वर्तमान में गरियाबन्द जिला) के पाण्डुका नामक गाँव में जहां के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में व्याख्याता के रूप में पदस्थ रहें। वहां क्षेत्रीय वातावरण इतना रोचक रहा कि श्री लाल ने खूब लिखा। इस तारम्य में पैरी साहित्य परिबद् पाण्डुका के गठन में योगदान किया और पैरी प्रवाह

नामक पत्रिका के वार्षिक अंकों को वहां सेवा कार्य करते हुए सम्पादन भी किया । वहीं से आकाशवाणी रायपुर में कविता पाठ का भी अवसर पाया। घटती-घटना परिवार से श्री लाल का संबंध एक मौलिक रचना-हनुमान पचासा-के प्रकाशन से हुआ। एक ही इस प्रकाशन के बाद श्री लाल अवैतनिक स्तम्भ लेखक के रूप में वर्षो तक इस परिवार की सेवा में लगे रहे और परिवार ने अपनी क्षमता के अनुरूप उन्हें 17.11.2012 सम्मान संस्था से विदा किया। इस बीच श्री लाल को जिला स्तर से लेकर राज्यस्तर तक के अनेक सम्मान से अलंकृत किया गया साथ ही देश की अनेक संस्थाओं ने उनकी कृति-सरगुजिहा छ.ग. रमायन के लिये सम्मानित किया। आकाशवाणी केन्द्र अम्बिकापुर द्वारा समय-समय पर प्रसारण हेतु उन्हें आमंत्रित किया गया। स्मरणीय है कि श्री बीडी लाल सेवानिवृत के पश्चात् सन् 2005 से अम्बिकापुर में अपने परिवार के साथ स्थायी रूप से रहने लगे हैं। इस अवधि में नगर की विशिष्ट साहित्यिक संस्था भारतेन्दु कला और साहित्य परिवाद से गम्भीरता पूर्वक जुड़े रहे और अपनी समर्पण प्रवृति के आधार पर संख्या के संस्थापक स्व0 श्री जे.एन मिश्रा के प्रिय पात्र बने रहे और अब शारीरिक कष्टों के कारण संस्था और अन्य मंचीय कार्यक्रमों से सन्यास की घोषणा कर दी है। अपने प्रारम्भिक दिनों की चर्चा करते हुए श्री लाल ने बताया की उनका जन्म उ.प्र.के वाराणसी क्षेत्र जिला चन्दौली के एक अविकसित छोटे से गॉव डेढ़ावल में हुआ और इंटर मीडिएट तक की परीक्षा गॉव में रह कर उत्तीर्ण की। तत्पश्चात् बी.एच.यू. से वाराणसी नगर में रह कर ग्रेजुएशन तथा गोरखपुर विश्व विध्यालय से बी.एड. की उपाधि प्राप्त की। इसके पश्चात् सरगुजा में आजीविका की तलाश में पहुँच शिक्षक के रूप में कार्य प्रारम्भ किये। पिता स्व. श्री रामनारायण लाल और माता श्रीमती शुभवन्ती देवी को याद करते हुए श्री लाल भातुक हो उठे रूधे कंठ से वोले कि पिता का अनुशासन और माँ की ममता ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है। साक्षात्कार के अंतिम पड़ाव पर श्री लाल ने नगर की साहित्येक संस्थाओं-भारतेन्दु कला साहित्य समिति-राष्ट्रीय कवि संगम-तुलसी साहित्य समिति और निश्छल साहित्य (सरगुजिहा) समिति लखनपुर सरगुजा के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने अपने साथ उन्हें जोड़ रखा था और मंच पर भावनाओं को व्यक्त करने का सु अवसर दिया था। दैनिक घटती-घटना के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होने समय-समय पर गद्य और पद्य दोनों प्रकार की रचनाओं को अपने पत्र में स्थान दिया जिनकी संख्या बहुत बड़ी है।

भारत के खिलाफ की गई टिप्पणी निंदनीय,मालदीव के पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने कही ये बात

माले,07 जनवरी 2024। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप दौरे पर मालदीव सरकार की मंत्री मरियम शिउना और अन्य नेताओं की आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद कूटनीतिक तनातनी देखने को मिल रही है। भारत के कई सेलिब्रिटी और आम लोग इसको लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड कर रहा है। इस बीच,मालदीव के पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने भी इन अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर अपने देश के नेताओं की आलोचना की है।

मालदीव के पूर्व विदेश मंत्री ने क्या कहा

अब्दुल्ला शाहिद ने ट्वीट में कहा, मौजूदा मालदीव सरकार के दो मंत्रियों और सत्तारूढ़ गठबंधन में एक सियासी दल के सदस्य द्वार सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों के खिलाफ की गई टिप्पणी निंदनीय और घृणित हैं। मैं सरकार से इनको फटकार लगाने का आह्वान करता हूं। सार्वजनिक हस्तियों को शिष्टाचार बनाए रखना चाहिए। भारत समय की कसौटी पर खरा उतरा मित्र और अटूट सहयोगी है। वे ऐतिहासिक रूप से हमारी जरूरत के समय प्रतिक्रिया देने वालों में सबसे पहले रहे हैं। हमारे करीबी संबंध आपसी सम्मान, इतिहास, संस्कृति और लोगों के बीच मजबूत संबंधों से बंधे हुए हैं।

विदेश मामलों के विशेषज्ञ ने की आलोचना

वहीं, इस मामले पर विदेश मामलों के विशेषज्ञ रोबिंदर सचदेव ने कहा, यह बिल्कुल निंदनीय है। एक वर्ग है जो भारत विरोधी है। भारत न केवल पर्यटन के जरिए मालदीव की अर्थव्यवस्था में मदद करता है। बल्कि, हम उन्हें सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। 1988 में मालदीव में तख्तापलट हुआ था। भारत ने अपनी सेना भेजी और कुछ ही घंटों में तख्तापलट रोक दिया गया। इसलिए पड़ोसी भारत मालदीव की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए है। कई बार मालदीव में भारी पानी की कमी थी। भारत ने बोतलबंद पानी के साथ विमान और हमारी सेना भेजी थी।

पूरे क्षेत्र से जुड़ी है फिलिस्तीन की सुरक्षा : ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान ,07 जनवरी 2023। ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा है कि गाजा और वेस्ट बैंक की सुरक्षा क्षेत्र से जुड़ी हुई है और युद्ध समाधान नहीं है।' अपने फ्रांसीसी समकक्ष कैथरीन कोलोना के साथ फोन पर यह टिप्पणी की। बातचीत के दौरान, अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा कि इजराइल-हमास संघर्ष के विस्तार को रोकने और क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका चुनौतियों की जड़ों पर जिम्मेदारी से ध्यान देना और उन्हें हल करने के लिए प्रतिबद्ध होना है। अमेरिकी तुष्टिकरण के तहत फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर इजरायल के कब्जे को क्षेत्रीय अस्थिरता के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए, अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा कि इन मूल कारणों से आंखें मूंदना असंभव है, साथ ही उन्होंने क्षेत्र में सुरक्षा के बारे में चिंता व्यक्त की। कोलोना ने अपनी ओर से क्षेत्र में तनाव बढने पर चिंता व्यक्त की और ईरान से संघर्ष के दायरे को बढने से रोकने में मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने दक्षिणपूर्वी ईरानी शहर करमान में हुए घातक आतंकवादी हमले की भी निंदा की, जिसमें 92 लोग मारे गए और 280 से अधिक अन्य घायल हो गए। दोनों पक्ष आपसी सम्मान पर आधारित माहौल में द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार में आने वाली बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए अपने राजनयिक परामर्श और संपर्क जारी रखने के महत्व पर भी सहमत हुए।

एक लाख रूपये कीमत के गांजा सहित 3 गिरफ्तार,चौकी बसदेई पुलिस की कार्यवाही

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते एवं क्षेत्र में सक्रिय मुखबीर का जाल फैलाने के निर्देश दिए थे जिसके बाद से ही जिले की पुलिस नशीली पदार्थ के गोरख धंधे पर सतत् निगाह बनाए हुए है। इसी तारतम्य में दिनांक 06.01.2024 को चौकी बसदेई पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि 3 व्यक्ति डिलक्स मोटर सायकल में गांजा बिक्री करने हेतु दतिमा खोपा की ओर से बसदेई तरफ जाने वाले है।

चौकी बसदेई पुलिस ने सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु ग्राम लोधिमा में घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित सोहिल सिंह उर्फ गोलू पिता दिल कुमार गोंड़, उम्र 24 वर्ष, अमन राजवाड़े पिता पिंगल राजवाड़े उम्र 20 वर्ष व शिवचरण उर्फ चरका पिता ननका राम उम्र 31 वर्ष तीनों निवासी ग्राम गंगापुर, चौकी लटोरी को पकड़ा जिनके कब्जे से 5 किलो गांजा पाया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 1 लाख रूपये है। मामले में गांजा व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर तीनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई विजय सिंह, एएसआई मानिकदास, लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, प्रधान आरक्षक आनंद सिंह, आरक्षक अमित सिंह, देवदत्त दुबे, सुरेश साहू व अभय तिवारी सक्रिय रहे।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत दूसरा युवक हुआ घायल

- संवाददाता -
लखनपुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित रजपुरी कला के पास रविवार की शाम लगभग 6ः00 बजे ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई तो वहीं दूसरा युवक घायल हो गया जिसका उपचार जारी है।मिली जानकारी के मुताबिक फेकू राम राजवाडे उम्र लगभग 45 वर्ष ग्राम कोरजा नवापारा निवासी जो अपने साथी विशेष कुमार के साथ भिठ्ठीकला गया हुआ था। मोटरसाइकिल वाहन में सवार होकर दोनों युवक अपने गृह ग्राम कोरजा नवापारा लौट रहे थे। जैसे ही बाइक सवार रजपुरी कला के पास पहुंचे पीछे से आ रहे ट्रक ने बाइक सवारों को चपेट में ले लिया फेकू राम राजवाडे के सर में चक्का चढ़ाने से मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं विशेष कुमार के हाथों पैरों में चोट आई है। जिसका उपचार लखनपुर अस्पताल में जारी है वहीं लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक वाहन को कब्जे में लिया ट्रक चालक मौके से फरार बताया जा रहा है।

मूट कोर्ट में विधि के विद्यार्थियों को दी गई विभिन्न धाराओं की जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

पीजी कालेज अम्बिकापुर के विधि विभाग में मूट कोर्ट का आयोजन किया गया। इस दौरान विधार्थियों द्वारा भारतीय दण्ड संहिता, दण्ड प्रक्रिया संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम की विभिन्न धाराओं के मूट कोर्ट के दौरान प्रयोग कर उसकी जानकारी दी गई। इस दौरान मुख्य रूप से विधि विभाग के प्रभारी माधवेन्द्र तिवारी उपस्थित थे। मूट कोर्ट में पंचम सेमेस्टर के वकील अंसारी, छवि गुप्ता, सलमा खान, आयुष तिवारी, रूचि सिंह, निशा प्रभाकर, योसोमा, रंजीता, शांति, करण सिंह, संतोषी एवं छात्र शामिल रहे। आयुष यादव बनाम छग शासन के मूट समस्या पर मूट कोर्ट का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस प्रस्तुतिकरण में विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बृजेश कुमार, डॉ. मिलेंदर सिंह, पंकज अहिरवार, तरूण राज, पूनम सोनवानी एवं मोहन कश्यप उपस्थित रहे। साथ ही विधि विभाग से एलएलबी से पंचम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं प्रथम सेमेस्टर के अन्य विधार्थी भी दर्शक दीर्घा में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आज अंबिकापुर में,भाजपा कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में होंगे शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सोमवार को अंबिकापुर आएंगे। उक्त जानकारी देते हुए भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने बताया कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह संभागीय भाजपा कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि सोमवार को स्थानीय हॉकी स्टेडियम पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में सुबह 10.30 बजे संभाग स्तरीय भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन है। जिसमें मुख्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा,केबिनेट मंत्री रामविचार नेताम,केबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, केबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, संभागीय संगठन प्रभारी संजय श्रीवास्तव एवं सर्व विधायक रेणुका सिंह, गोमती साय, भैय्या लाल राजवाड़े, राजेश अग्रवाल, प्रबोध मिंज, रामकुमार टोप्पो, रायमुनी भगत, उद्धेश्वरी पैंकरा, शकुंतला सिंह पोर्ते तथा भूलन सिंह मरावी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर जिला भाजपा ने विशेष तैयारियां की है। कार्यक्रम स्थल तथा शहर के चौक चौराहों को भाजपा के झंडे व फ्लेक्स बैनर से सजाया जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं से अतिथियों का जोरदार व एतिहासिक स्वागत करने की अपील की है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में दो युवक की मौत, एक गंभीर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के ग्राम खड़से मेन रोड में शनिवार की शाम आने-सामने दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दोनों बाइक में सवार तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। जबकि एक का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार विशाल पांडेय पिता रामाकांत पांडेय उम्र 28 वर्ष राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम खुखरी का रहने वाला था। वह शनिवार की शाम को खड़से से बाइक से अपने घर जा रहा था। रास्ते में खड़से मेन रोड में विपरित दिशा से आ रहे बाइक सवार लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम नागम बांसपारा निवासी संजय यादव पिता रामविचार यादव 28 वर्ष भिड़ंत हो गई। संजय अपने साला सिरू के साथ बरियों बाजार जा रहा था। वहीं दुर्घटना में विशाल, संजय व सिरू गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को इलाज के लिए राजपुर अस्पताल ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने तीनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने विशाल पांडेय व संजय यादव को मृत घोषित कर दिया। जबकि सिरू का इलाज चल रहा है।

अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत कतकालो में अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता 2024 सीजन 2 का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा सरगुजा के जिलाध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर थे। शुभारंभ मैच महुआटिकरा एवं कंठी के मध्य खेला गया। जिसमें कंठी की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए महुआ टिकरा की टीम निर्धारित 10 ओवर में 98 रन बनाई। कंठी की टीम ने जद्दोजहद करते हुए 5 विकेट से अंतिम गेंद में जीत लिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर ने कहा कि खेल न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि खिलाड़ी का चहुमुखी विकास करने में मददगार होता है। शरीर के साथ-साथ मन भी स्वस्थ रहता है।

आपसी प्रेम एवं सौहार्द की भावना बनी रहती है। इस दौरान क्षेत्र के जनपद सदस्य गंगा राम, सरपंच अमर दीवान, कपिल पांडेय, उपसरपंच रामभरोस राजवाड़े, सुदर्शन पांडेय सहित आयोजन समिति के क्षत्रपाल राजवाड़े, रामकुमार राजवाड़े, राजेश राजवाड़े, आदित्य सिंह, सोनू राजवाड़े अभिनव प्रजापति, किशोर, आकाश राजवाड़े, विशाल, कौशल, अनु, संदीप, बृजेश, विषेन राजवाड़े सहित युवा साथी उपस्थित रहे।

दो अलग-अलग स्थान पर मधुमक्खियों के हमले में दो की गई जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

दो अलग-अलग स्थान पर मधुमक्खियों ने दो लोगों पर हमला कर दिया। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार रामहित सिंह पैकरा उम्र 65 वर्ष लखनपुर थाना क्षेत्र के गाम बेलदगी का रहने वाला था। वह 5 जनवरी की दोपहर घर से दूर मनखाडिहारी खेतवाही में मवेशी चराने गया था। इस दौरान अचानक मधुमक्खियों का झुंड आया और वृद्ध पर हमला कर दिया। आस-पास किसी के न होने के कारण उसकी मदद नहीं कर सकी। मधुमक्खियों ने काफी देर तक उस पर हमला करते रहे। इससे वह मौके पर ही बेहोश हो गया। काफी देर बाद जब परिजन को जानकारी मिली तो परिजन मौके पर पहुंचे और उसे उठाकर वहां से घर लाए। इसके बाद उसे इलाज के लिए लखनपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। उसकी स्थिति काफी गंभीर होने के कारण आईसीयू में रखा गया था। यहां इलाज के दौरान 6 जनवरी की शाम को उसकी मौत हो गई। वहीं 53 वर्षीय राम बाई पति श्यामलाल पनिका मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर की रहने वाली थी। वह 5 जनवरी की दोपहर घर के पास ही बाड़ी में बकरी चरा रही थी। तभी मधुमक्खियें ने उस पर हमला कर दिया। वह मदद के लिए चिल्लाती रही पर मधुमक्खियों के उग्रता को देखते हुए किसी ने बचाव करने की हिम्मत नही की। काफी देर तक मधुमक्खियों ने उसके शरीर पर डंक मारते रहे। कुछ देर बाद जब उसका पति पहुंचा तो वह कंबल ओढक़र गया और पत्नी को कंबल ओढ़ाकर बीच बचाव किया। इसके बाद उसे घर लाया और उसे इलाज के लिए रामपुर स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। यहां उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ठेकेदार की मन मर्जी से...प्रशासन को कोई मतलब नहीं...राहगीरों की परेशानी चरम पर

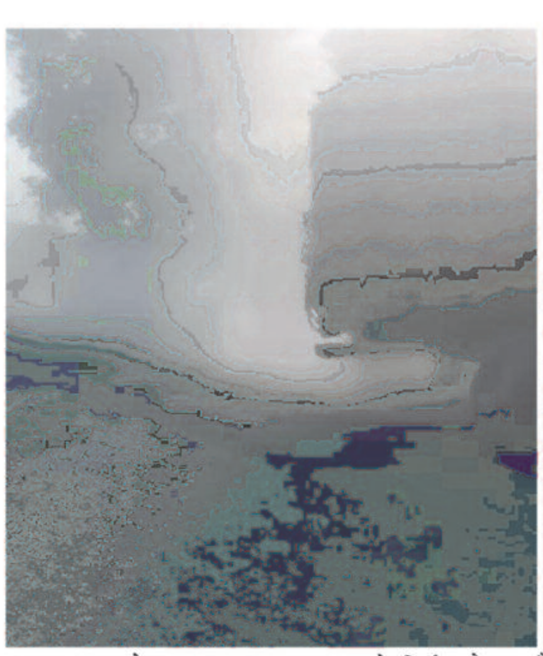

- सोनू कश्यप -
प्रतापपुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर राजपुर के बीच लोक निर्माण विभाग द्वारा की स्वीकृति से ठेकेदार द्वारा करोड़ों की लागत से 28 किलोमीटर टू लेन सड़क निर्माण कराया जा रहा है,जिसमें पंचायत चाचीडांड मे कांक्रीट सड़क व डामरीकरण रोड का निर्माण कराया जाना है चुकि लगभग 80 करोड़ की है संभाग के 1 बड़े ठेकेदार द्वारा कार्य कराया जा रहा है ठेकेदार द्वारा कराए जा रहे कछुआ की चाल से निर्माण से राहगीरों की जान की आफत बन चुकी है कोई भी सक्षम अधिकारी और ठेकेदार ना ही उसके कर्मचारी कुछ सुनने को तैयार है आलम यह है कि लगभग 5 माह पूर्व से निर्माण हो रहा है लेकिन आज तक राहगीरों को बस परेशानी का सामने ही करना पड़ रहा है आए दिन लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं साथ ही धूल के अंबार से लोगों का गुजारना मुश्किल हो गया है सबसे बड़ी बात यह है कि यह एक जिला मुख्यालय से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है जिसमें बड़े-बड़े जनप्रतिनिधियों से लेकर जिले के आला अधिकारी आए दिन गुजरते हैं लेकिन कोई भी अपनी जिम्मेदार लेना नहीं चाहता, सारी परेशानी जैसे आम जनता कोही झेलनी लिखी है लोक निर्माण विभाग के इस रवैया से काफी दुखित है

धूल से सन गया पूरा क्षेत्र

सबसे बड़ी बात यह है कि इस टू लेन सड़क में गुजरने वाले राहगीरों को खासकर दो पहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है अगर एक भी बड़ी गाड़ी आगे से गुजर जाती है तो लगभग 5 मिनट तक सामने कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता है जिससे दुपहिया वाहन चालक आए दिन दुर्घटना ग्रस्त हो रहे हैं साथ ही शांति नगर चौक से लेकर टुकुडांड चौक तक सुबह से लेकर रात तक धूल का अंबार ही नजर आता है जिसमें आज तक ना तो जिले के आला अधिकारी और ना ही संबंधित विभाग ग्रामीणों के हजार शिकायतों के बावजूद कोई भी कार्यवाही करती दिखी है जो सक्षम अधिकारियों के पद पर एक बहुत बड़ा सवाल है।

1 फिट जम गया है मिट्टी का डस्ट फिसल कर गिर रहे दुपहिया वाहन चालक

सड़क निर्माण में ठेकेदार की मनमर्जी वह मनमानी के चलते आम नागरिक बहुत ज्यादा ही परेशान हो चुके हैं साथी जिले के बड़े अधिकारी भी दिलासा देते ही रह गए आज आलम यह है कि 5 माह पूर्व से बन रहे सड़क में खोदकर मिट्टी पैकिंग कर दिया गया है जिस में पानी छिड़काव नहीं होने के कारण मिट्टी का डस्ट लगभग एक से डेढ़ फीट जगह जगह जम गया है जिसमें आए दिन लोग गिरकर फिसल रहे हैं साथ ही दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं जिसमें ना तो ठेकेदार और ना ही जिले के आला अधिकारी कुछ करना जरूरी समझते हैं।

कछुए चाल से चल रहा है निर्माण कार्य

राजपुर प्रतापपुर टू लेन सड़क निर्माण कछुए की चाल से चल रहा है चुकी यह मुख्य मार्ग है जो आमजन को मुख्यालय से जोड़ता है जिसमें क्षेत्र के बड़े-बड़े जनप्रतिनिधि का इसी मार्क से आना-जाना है लेकिन इन बड़े लोगों को दुपहिया वाहन में चल रहे हैं लोगों की परेशानी नहीं दिख रही है जो समझ से परे है साथ ही अधिकारियों का भी मौन रहना बहुत से सवाल खड़े करता है, आज 5 महीने बीत जाने पर्यंत भी आज तक 20 प्रतिशत भी काम पूरी नहीं हुई है चुकी ठेकेदार द्वारा गड्ढा खोद दिया गया है और उसमें मिट्टी का पैचिंग कर दिया गया है, छह माह बाद बरसात आने वाला है अगर सही समय पर कार्य पूर्ण नहीं हो पाया तो आप अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि अभी यह हाल है तो बरसात के मौसम में इस सड़क का क्या हाल होगा लेकिन इन सब फिक्र से दूर ठेकेदार वह सूरजपुर जिला प्रशासन अपनी ही मनमर्जी मैं व्यस्त है।

भारी वाहनों के चलने से कभी भी घट सकती है बड़ी दुर्घटना

भारी वाहनों के चलने से दोपहिया वाहन में चलने वाले आम लोगों को धूल के कारण सामने कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता है साथ ही मिट्टी का मलबा जमा होने के कारण दो पहिया वाहन के चक्का फिसल जाने के कारण आए दिन लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं

वैकल्पिक मार्ग भी व्यस्त चुकी राजपुर प्रतापपुर मार्ग धूल और डस्ट से सराबोर हो चुका है।

स्कूली बच्चों के साथ ही सड़क किनारे रहवासी हैं परेशान

धूल का सबसे खतरनाक असर छोटे बच्चों पर पड़ रहा है शांति नगर चौक से टुकुडांड लगभग तीन से चार छोटे-बड़े स्कूल है जहां केजी से लेकर 12 वीं तक के बच्चे अध्ययनरत है व सड़क किनारे बसे मकान व व्यापारी भी त्रस्त है धूल और दस्त के कारण छोटे-छोटे बच्चे बीमार पड़ रहे हैं लेकिन शासन प्रशासन को इन सब से कोई मतलब नहीं है जो समझ से परे है।

बीएड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों ने की शैक्षणिक यात्रा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में बीएड प्रथम वर्ष के समस्त प्रशिक्षणार्थियों को गत दिवस शैक्षणिक भ्रमण के लिए रायपुर,हैदराबाद, श्रीसेलम ले जाया गया। शैक्षणिक यात्रा के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों का सर्वांगीण विकास करना मुख्य उद्देश्य है। बीएड प्रथम वर्ष के समस्त प्रशिक्षणार्थियों के साथ प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा, विभागाध्यक्ष रानी रजक, सहायक प्राध्यापक प्रीति साहू, सुनीता राजपुरोहित के नेतृत्व में हैदराबाद के विभिन्न दार्शनिक स्थानो को दिखाया गया। प्रथम दिवस सभी प्रशिक्षणार्थियों को गोलकुंडा, हैदराबाद, तेलंगाना ले जाया गया। यह तेलगांना के पश्चिमी बाहरी इलाके में स्थित एक मजबूत गड़ और खंडहर शहर हैं। जिसके विषय में गाईड के द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जिसमें उसके निर्माण व शासन की जानकारी प्रदान की गई। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने प्रत्यक्ष रूप से देखकर कई जानकारियां प्राप्त की तथा किले के स्वरूप को देखकर प्रसन्न हुए। शाम के समय गोलकुंडा किला में ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से लाईट शो आयोजित किया जाता है, जिसके माध्यम से सभी प्रशिक्षणार्थियो ने वहां के निर्माण, शासक व इतिहास की जानकारी प्राप्त की। अगले दिवस मल्लिकार्जून मंदिर, श्रीशैलम के दर्शन कराये गये। यह मंदिर शिव और शक्ति के हिन्दू संप्रदाय के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योकि यह शिव के बारह ज्योतिलिंगों एवं देवी के अठारह शक्ति पीठों में से एक रूप हैं इसके इतिहास वास्तुकला की जानकारी सभी को प्रदान की गई। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने कई रोचक जानकारी भी प्राप्त की तथा दिव्य दर्शन प्राप्त किये।

CMYK

यदि बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े ने जिले के लिए कर दिए यह 10 काम तो जनता का स्नेह बरसेगा अपार

10 प्रमुख काम है जो वर्तमान विधायक भईयालाल राजवाड़े को अपने जिले के लिए जरूर करना चाहिए...

बैकुंठपुर शहर के सड़क चौड़ीकरण से जिले में आएगी रौनक,व्यापार होगा बेहतर

कोरिया जिले का जिला मुख्यालय खासकर जिला मुख्यालय का मुख्य बाजार जो व्यापार स्थल है वह बाईपास सड़क बन जाने के बाद प्रभावित होता नज़र आ रहा है वहीं शहर की तरफ अन्य जगहों के लोगों का रुख कम हो रहा है जिसकी मुख्य वजह है शहर का सड़क संकरा होना। आए दिन हमेशा जाम लगने की वजह से लोग शहर की तरफ रुख करना ही छोड़ते जा रहे हैं जिससे व्यवसाय भी शहर का प्रभावित हो रहा है वहीं सुनने में यह भी मिल रहा है की अब बाहर के लोगों का जो कभी जिला मुख्यालय में बसने की उम्मीद लेकर जमीन घर खरीदा करते थे उनका मोह भी भंग हो रहा है। यदि बैकुंठपुर शहर की सड़क का चौड़ीकरण कराया जाता है तो लोगों का शहर की तरफ रुख होता नज़र आएगा यह भी माना जा रहा है। अब यदि विधायक भईयालाल राजवाड़े सड़क चौड़ीकरण को लेकर यदि गंभीर होते हैं और वह इसे संभव करा पाते हैं तो निश्चित ही शहर का भी विकास होगा वहीं उन्हे भी इसका श्रेय मिलेगा जो उनके राजनीतिक भविष्य साथ ही उन्हे भविष्य में एक अच्छी पहचान दिलाने वाला काम साबित होगा।

जिला अस्पताल जल्द तैयार कराकर मेडिकल कॉलेज की मांग भी की जा सकती है...

कोरिया जिले में नवीन जिला अस्तपाल भवन बन रहा है,यह भवन काफी बड़ा बन रहा है वहीं जिला अस्पताल का पुराना भवन भी अभी उपलब्ध है जो भी काफी बड़ा है ।अब यदि नवीन अस्पताल भवन को जल्द बनाया जाए तो मेडिकल कॉलेज की मांग जिले में की जा सकती है क्योंकि भवन की कमी जिले में नहीं होगी वहीं जल्द ही मेडिकल कॉलेज व्यवस्थित किया जा सकेगा। जिलेवासियों को भी यह उम्मीद है की विधायक भईयालाल राजवाड़े इस ओर ध्यान देंगे और जल्द ही जिला चिकित्सालय का नवीन भवन पूर्णता प्राप्त करेगा वहीं मेडिकल कॉलेज की संभावना जिले में बनेगी।

चिरमिरी बाईपास बनने से ट्रैफिक की समस्या हो सकती है खत्म

बैकुंठपुर से एमसीबी सहित मध्यप्रदेश जाने के लिए बाईपास सड़क बन चुकी है जिससे बड़ी गाड़ियों का ट्रैफिक शहर में कम हुआ है वहीं बिलासपुर सहित चिरमिरी जाने वाली सड़क आज भी जिला मुख्यालय से ही गुजरती है जिससे जाम लगता है जिसका कोई बाईपास विकल्प नहीं है। अब यदि बिलासपुर चिरमिरी जाने के लिए भी शहर के बाहर से बाईपास सड़क बन जाए तो शहर में जाम की समस्या कम होगी जिसके लिए वर्तमान विधायक भईयालाल राजवाड़े को ध्यान देना होगा वहीं जो उनसे लोगों की अपेक्षा भी है।

कोरिया के लिए फूलपुर क्षेत्र उद्योग स्थापित किए जाने लायक क्षेत्र हो सकता है...

कोरिया जिले में औद्योगिक क्षेत्र के रूप में कोई क्षेत्र विकसित नहीं है। फूलपुर क्षेत्र जिले का औद्योगिक क्षेत्र बन सकता है जिसकी तरफ भईयालाल राजवाड़े को ध्यान देने की जरूरत है। छोटे उद्योगों से जिले का विकास होगा और उद्योग लगाने वालों को भी औद्योगिक क्षेत्र मिलने से सहूलियत होगी,इस ओर भी विधायक को ध्यान देने की जरूरत है।

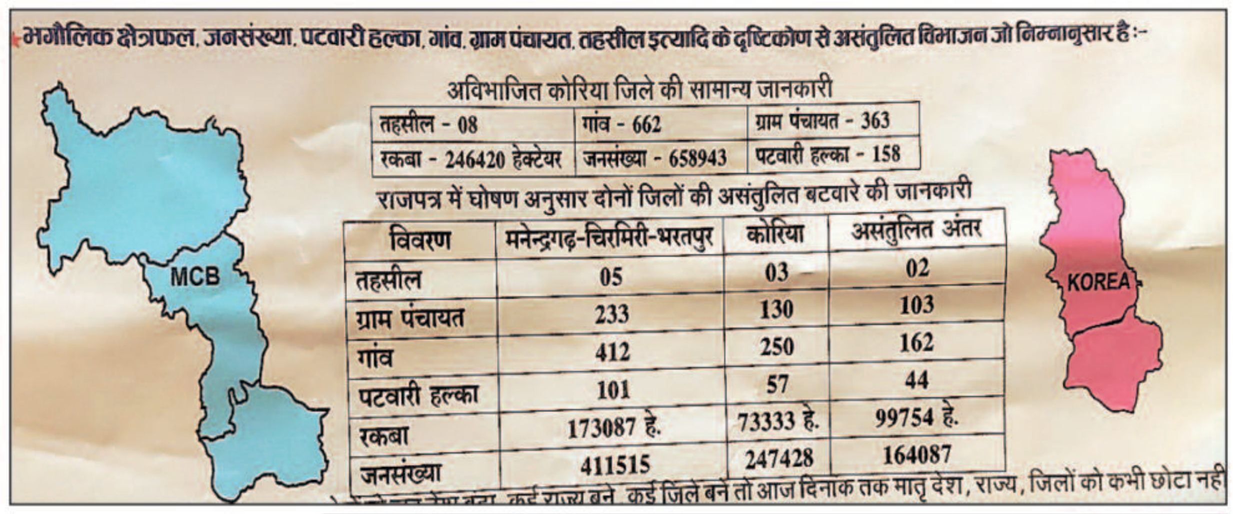

भगौलिक क्षेत्रफल, जनसंख्या, पटवारी हल्का, गांव, ग्राम पंचायत, तहसील इत्यादि के दृष्टिकोण से असंतुलित विभाजन जो निम्नानुसार है :-

अविभाजित कोरिया जिले की सामान्य जानकारी

तहसील - 08	गांव - 662	ग्राम पंचायत - 363
रकबा - 246420 हेक्टेयर	जनसंख्या - 658943	पटवारी हल्का - 158

राजपत्र में घोषण अनुसार दोनों जिलों की असंतुलित बटवारे की जानकारी

विवरण	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर	कोरिया	असंतुलित अंतर
तहसील	05	03	02
ग्राम पंचायत	233	130	103
गांव	412	250	162
पटवारी हल्का	101	57	44
रकबा	173087 हे.	73333 हे.	99754 हे.
जनसंख्या	411515	247428	164087

... कई राज्य बने कई जिले बने तो आज दिनाक तक मातृ देश, राज्य, जिलों को कभी छोटा नही

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

2023 विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ की जनता ने भाजपा पर बहुत भरोसा जताया है और दोबारा उन्हें सत्ता में वापसी दिलाई है, भाजपा का सत्ता में आने का दूसरी वजह यह भी थी की पुरानी कांग्रेस सरकार के कुशासन ने जनता को खूब परेशान किया था जिससे परेशान होकर जनता ने सुशासन वाली सरकार लाने की ठान ली अब उन्हें सुशासन वाली ही सरकार चाहिए इसी वजह से जनता ने भाजपा को पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में लाया और सरगुजा में तो 14 के 14 सीटों पर भाजपा का ही परचम लहराया, पुरानी सरकार कोरिया के अस्तित्व के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही अब जब सरकार बदल गई है तो कोरिया का कुछ भला हो जाए यह उम्मीद अब बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े से लोगों को ज्यादा हो चली है यही वजह है कि बैकुंठपुर विधायक यदि कोरिया जिले के लिए 10 महत्वपूर्ण काम करते हैं तो उनकी जनता के मन विश्वसनीयता और बढ़ जाएगी और उनका जनाधार और बढ़ेगा, 10 बड़े कामों में रोड चौड़ीकरण, जिला अस्पताल जल्द तैयार करना, चिरमिरी बाईपास बनाना, फूलपुर में उद्योग, नगर पालिका क्षेत्र में पानी की सप्लाई, इंडोर स्टेडियम, नालंदा परिसर, जिला अस्पताल के लिए पर्याप्त डॉक्टर, पटना में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, कोरिया को संभाग बनाना व असंतुलित विभाजन को संतुलित करना। अब देखना यह है की क्या भईयालाल राजवाड़े जो अपनी जनसरोकार वाली छवि के लिए प्रसिद्ध हैं अपने कार्यकाल में कितनी उपलब्धियां अपने खाते में जोड़ पाते हैं।

असंतुलित कोरिया विभाजन को संतुलित विभाजन कराना

कोरिया जिले का विभाजन पूर्णतः असंतुलित हुआ है। आज जिले में शामिल कई क्षेत्र भविष्य में जिले में शामिल रहेंगे इसकी गारंटी नहीं है। कुछ का राजस्व जिला कोरिया है वहीं अन्य के लिए उन्हे नवीन जिले के भरोसे रहना पड़ रहा है। कुल मिलाकर अभी जिला विभाजन स्पष्ट नहीं है। भईयालाल राजवाड़े से उम्मीद है की वह असंतुलित जिला विभाजन को संतुलित विभाजन का स्वरूप प्रदान करने में प्रयास करें वहीं उनका प्रयास सफल हो यह भी जिले वासियों को अपेक्षा है।

नगर पालिका में घर-घर पानी सप्लाई

बैकुंठपुर नगरपालिका में घर घर पीने की पानी सप्लाई होना भी आवश्यक है कई जगह पेयजल नहीं पहुंच पा रहा है जैसी सूचना है। पेयजल को लेकर भी विधायक को ध्यान देने की जरूरत है।

जिले में एक इनडोर स्टेडियम

जिले में एक इंडोर स्टेडियम की जरूरत है जहां कई खेलों के लिए सुविधा खिलाड़ियों को मिल सके। वैसे वर्तमान विधायक ने अपने खेल मंत्री रहने के दौरान जिले में खेल सुविधाओं को लेकर काफी ध्यान दिया था और अब पुनः उम्मीद है की वह जिले के खिलाड़ियों के लिए कुछ अच्छा करेंगे। वर्तमान विधायक के कार्यकाल में जिले में खेलों के प्रति खिलाड़ियों का रुझान भी बढ़ा था जो पुनः बढ़ेगा यह उम्मीद है उसी क्रम में सुविधाओं की मांग भी उनसे होगी यह तय है।

रायपुर के तर्ज में जिले में नालंदा परिसर

जिले में नालंदा परिसर जैसी सुविधा मिले यह भी विधायक भईयालाल राजवाड़े को ध्यान देना होगा,रायपुर में नालंदा परिसर के रूप में अध्ययन केंद्र बनाया गया है जो अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं के लिए सुविधा केंद्र है जहां अध्ययन सामग्री के रूप में हर सामग्री लगभग उपलब्ध है। जिले में सुविधा मिलने से छात्रों को सुविधा होगी वहीं यह एक बड़ी उपलब्धि के नाम पर भईयालाल राजवाड़े के नाम से दर्ज होने वाला काम होगा। इसमें वर्ल्ड क्लास बिल्डिंग,यहां युवा करेंगे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा मिलेगा।

जिला अस्पताल में पर्याप्त डॉक्टर जिससे रायपुर की भीड़ हो कम

जिला अस्पताल में पर्याप्त खासकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति पर भी विधायक भईयालाल राजवाड़े को ध्यान देना होगा। आज भी देखने को मिलता है की कई गंभीर बीमारियों के लिए मरीजों को राजधानी रायपुर जाना पड़ता है। जिले में जांच सुविधाओं सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों का अभाव इसका कारण है। भईयालाल राजवाड़े वैसे भी इलाज को लेकर लोगों के गंभीर माने जाते हैं वहीं यदि वह जिले में ही सभी सुविधाओं की सुविधा दिलाते हैं तो उनका यह कार्यकाल उनके लिए उपलब्धियों भरा होगा।

पटना में स्वीकृत पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस जल्द बने

जिले के पटना में पीडब्लूडी रेस्ट हाउस स्वीकृत है। पीडब्लूडी का जिले में जिला मुख्यालय मात्र में रेस्ट हाउस है यदि पटना का स्वीकृत रेस्ट हाउस बनता है तो यह जिले सहित पटना के लिए उपलब्धियों वाला मामला होगा। आज जिले में आने वाले अतिथियों के लिए बैकुंठपुर का ही रेस्ट हाउस विकल्प है पटना में नवीन रेस्ट हाउस बनने से अतिथियों सहित नेताओं का ठहराव पटना में होगा जिससे उनका ध्यान पटना क्षेत्र के विकास की तरफ जाना स्वाभाविक होगा।

कोरिया को संभाग का दर्जा दिलाना

कोरिया जिले का विभाजन वह भी असंतुलित विभाजन पूर्ववर्ती सरकार ने किया। कांग्रेस ने आंतुलित विभाजन मामले में यह भी चुनावी घोषणा की थी की वह सरकार दोबारा बनने पर कोरिया जिले को संभाग का दर्जा देंगे जिसके जवाब में बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े ने भी संभाग बनाने की घोषणा की थी। आज जिला विभाजन के बाद प्रभावित हो चुके कोरिया जिले के विकास के लिए कोरिया जिले को संभाग का दर्जा दिलाना जरूरी है। अब लोगों की उम्मीद भईयालाल राजवाड़े से है की वह कोरिया को संभाग का दर्जा दिलाएंगे साथ ही कोरिया के साथ हुए अन्याय से उसे छुटकारा दिलाएंगे।

अयोध्या में भगवान श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हर तरफ नजर आ रहा उत्साह

22 जनवरी को होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आमंत्रण श्रद्धालु खुद बांट रहे घर-घर

रामभक्ति में सरोबार नजर आ रहा हर राम भक्त,सभी तरह अब जय श्री राम जय श्री राम का उदघोष ही सुनाई दे रहा है...

भगवान श्री राम में आस्था रखने वाले सभी लोगों के सोशल मीडिया स्टेट्स से लेकर कॉलर ट्यून व रिंगटोन सभी हुए राम मय

-संवाददाता-
कोरिया,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में देश के प्रधानमंत्री भगवान श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे वहीं उसी दिन से अयोध्या में विधि विधान से भव्य राम मंदिर का भी लोकार्पण हो जाएगा जो हिन्दू धर्म में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं की सैकड़ों वर्षों पुरानी प्रतिक्षा रही है जो अब पूर्ण होने जा रही है। 22 जनवरी के कार्यक्रम को लेकर जहां अयोध्या सहित पूरे देश में उत्साह का माहौल है वहीं इसका उत्साह कोरिया जिले में भी देखा जा रहा है और यह देखने को मिल रहा है की जिले के लोगों को भी 22 जनवरी के दिन का इंतजार है जिस दिन उनके आराध्य भगवान श्री राम अयोध्या में विराजेंगे और भव्य मंदिर में उनके मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री की उपस्थिति में संपन्न होगा। इस आयोजन के लिए जिले में भी आमंत्रण देने का फिलहाल कार्य चल रहा है और रामभक्त श्रद्धालु गांव गांव, शहर शहर, घर घर, जाकर सभी निवासियों को अयोध्या से आया हुआ अक्षत साथ ही आमंत्रण पत्र प्रदान कर रहे हैं और उनसे आग्रह कर रहे हैं की सभी 22 जनवरी को घर में दीपक जलाएं उत्सव मनाएं दीपावली की तरह घर को सजाएं क्योंकि रामलला उस दिन भगवान श्री राम उस दिन अयोध्या में विराजेंगे और रामराज्य की पुनः स्थापना होगी। अयोध्या से आया हुआ अक्षत आमंत्रण लेकर जा रहे श्रद्धालुओं से लोग सहर्ष आमंत्रण स्वीकर कर रहे हैं और उन्हे आश्वस्त कर रहे हैं की वह निश्चित ही अपने घर को 22 जनवरी को सजाएंगे और दीपक जलाकर भगवान श्री राम के नाम का उत्सव मनाएंगे। कुल मिलाकर हाल फिलहाल में सभी तरफ भगवान श्री राम की ही धुन में ही सभी रम चुके हैं और सभी तरफ राम राम ही सुनाई दे रहा है। सोशल मीडिया स्टेटस की बात की जाए या मोबाइल के रिंग टोन की बात की जाए सभी में भगवान राम ही समा चुके हैं और अत्यंत उत्साह में लोग नजर आ रहे हैं। भगवान श्री राम के मंदिर में विराजने के दिन लोगों की अलग अलग तैयारी भी नजर आ रही है मंदिर समितियां मंदिरों में आयोजन की तैयारी कर रहा है वहीं कई जगह रामायण मंडलियां भी आयोजन की तैयारी में हैं। जिले में जिस तरह का उत्साह नजर आ रहा है उसे देखकर लगता है की इस 22 जनवरी को जिले में दीपावली जैसा उत्साह नजर आने वाला है और लोग इस उत्साह में डूबे नजर आने वाले हैं।जिलेवासी अभी से उत्साह में सरोबार हैं और कुछ लोग अयोध्या जाने की भी तैयारी में हैं, वैसे देश के प्रधानमंत्री ने अयोध्या 22 जनवरी को नहीं आने की अपील लोगों से की है और कहा है की भीड़ ज्यादा होने से कठिनाई हो सकती है इसलिए बाद में लोग आने का प्रयास करें 22 जनवरी को घर पर ही भगवान श्री राम के नाम का उत्सव मनाए।

अक्षत देकर दिया जा रहा आमंत्रण

अयोध्या में होने जा रहे भगवान श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा अवसर के लिए घर-घर अक्षत देकर लोगों को आमंत्रण दिया जा रहा है वहीं लोगों को बताया जा रहा है की उन्हे 22 जनवरी को घर में दीपक जलाना है और दीपावली की तरह उत्सव मनाना है। अक्षत अयोध्या से आया हुआ है जो लोगों को प्रभु श्री राम के आगमन की शुभ सूचना देने के उद्देश्य से भेजा गया है। लोग सहर्ष अक्षत स्वीकार कर रहे हैं वहीं लोग अक्षत देने पहुंच रहे लोगों का स्वागत कर रहे हैं।

घर-घर आमंत्रण पत्र भी पहुंचा रहे रामभक्त श्रद्धालु

अयोध्या से ही आमंत्रण पत्र भी आया हुआ है जिसमे प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जानकारी दी गई है साथ ही उन्हे आमंत्रित किया गया है। आमंत्रण पत्र में कब कौन कौन सा आयोजन है और प्राण प्रतिष्ठा का समय क्या होगा यह भी उल्लेखित किया गया है। भगवान श्री राम के आगमन को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता नजर आ रहा है।

8 एमबीबीएस डॉक्टरों ने पीजी की तैयारी के लिए छुट्टी ली...मार्च में पीजी की परीक्षा...डॉक्टर बिना बताए अस्पताल से चले गए हैं...

जूनियर डॉक्टरों के सामुहिक छुट्टी पर चले जाने से इमरजेंसी ड्यूटी को लेकर समस्या बढ़ी

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

जिला अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों के सामूहिक छुट्टी पर चले जाने से मरीजों की परेशानी बढ़ गई है, प्रबंधन के अनुसार अस्पताल से करीब 8 एमबीबीएस डॉक्टरों ने पीजी की तैयारी के लिए छुट्टी ली है, मार्च में पीजी की परीक्षा है जिसे लेकर कई डॉक्टर बिना बताए अस्पताल से चले गए हैं. कई डॉक्टर बिना अनुमति आवेदन देकर छुट्टी पर हैं. इससे अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी को लेकर मुश्किल खड़ी हो गई है।

जूनियर डॉक्टरों के छुट्टी पर जाने से जिला अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी को संभालने की जिम्मेदारी गिनती के डॉक्टरों पर आ गई है, इससे एक-एक डॉक्टर की ड्यूटी 24 घंटे तक लगाई जा रही है. बता दें कि अस्पताल में डॉक्टर व स्टाफ के समय पर अस्पताल नहीं आने की शिकायत पर बुधवार को कलेक्टर कोरिया ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया था,इस दौरान समय पर नहीं पहुंचने वाले डॉक्टर व स्टाफ को शो-कॉज नोटिस जारी किया। वहीं मंगलवार को जिला पंचायत सीईओ भी अस्पताल की व्यवस्था को देखने पहुंचे थे, इवनिंग ओपीडी में नहीं आने वाले डॉक्टरों को सीएमएचओ ने नोटिस भी जारी किया था, फिर भी व्यवस्था में खास सुधार देखने को नहीं मिला, अब जूनियर डॉक्टरों के पीजी की तैयारी को लेकर अस्पताल से सामूहिक छुट्टी पर जाने से अस्पताल में व्यवस्था बिगड़ गई है।

क्लास वन डॉक्टर इमरजेंसी ड्यूटी नहीं करते

बता दें कि अस्पताल में सीनियर्स डॉक्टरों की संख्या ज्यादा है. करीब 10 से अधिक डॉक्टर क्लास वन केटेगरी में है.। ऐसे में इमरजेंसी ड्यूटी को लेकर मुश्किलें बढ़ गई है.। जूनियर डॉक्टर्स की कमी होने के कारण अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी कौन करेगा यह प्रबंधन के लिए भी बड़ी समस्या बन गई है।

अस्पताल में 10 से ज्यादा सीनियर्स डॉक्टर्स

अस्पताल में वर्तमान में सिविल सर्जन डॉ आशीष करन समेत 1 स्त्री रोग विशेषज्ञ, 2 अस्थि रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन विशेषज्ञ में 2 डॉक्टर, नेत्र रोग विशेषज्ञ में 2 डॉक्टर व करीब 9 चिकित्सा अधिकारी हैं।

जूनियर डॉक्टर बिना बताए छुट्टी पर:सीएमएचओ

सीएमएचओ डॉ आर एस सेंगर ने कहा कि अस्पताल से कुछ जूनियर डॉक्टर बिना बताए चले गए हैं, कुछ आवेदन दिए हैं,मार्च में पीजी की परीक्षा है,समस्या हमारे पास इमरजेंसी ड्यूटी को लेकर आ रही है, व्यवस्था संभालने का प्रयास कर रहे हैं।

आईजी साहब! पुलिस पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कब करेगी काम ?

लगभग 2 माह बाद भी पुलिस आरोपियों को पकड़ने में नाकाम...

➡ पांच एफआईआर वाले आरोपी को पकड़ने से आखिर पुलिस क्यों घबरा रही है,क्या पुलिस जमानत का मौका दे रही है आरोपियों को ?

अंबिकापुर सिटी कोतवाली के प्रभारी आरोपी को संरक्षण देने बैठे हैं या फिर पीड़ित को न्याय दिलाने की उनकी जिम्मेदारी है ?

➡ आरोपी आज भी पीड़ित को सोशल मीडिया पर दे रहा गंदी-गंदी गाली

➡ आरोपी आज भी पीड़ित को सोशल मीडिया पर दे रहा गंदी-गंदी गाली

➡ पुलिस जिसे फरार बता रही है वह फेसबुक व व्हाट्सएप से कॉल कर पीड़ित को रोज कर रहा परेशान

➡ क्या भाजपा के नए गृह मंत्री सुधार पाएंगे पूरे छत्तीसगढ़ में पुलिस की कार्यप्रणाली को ?

➡ क्या आईजी,एसपी का भी अंबिकापुर कोतवाली प्रभारी को नहीं है डर ?

➡ कोतवाली पुलिस आरोपी के हित की करती है बात पर पीड़ित को करती है नजरंदाज

- भूपेन्द्र सिंह-
अंबिकापुर,07 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

भारत देश में न्याय के लिए कानून व्यवस्था बनाई गई है पर कानून व्यवस्था यदि न्याय दिलाने के लिए काम ना करें तो फिर ऐसी व्यवस्था का क्या काम? इस व्यवस्था के आड़ में इस विभाग को देखने वाले सिर्फ अपना पैकेट गरम कर रहे हैं पर वहीं न्याय पाने वाला सिस्टम से लड़ाई लड़ रहा है,ऐसा कब तक चलेगा यह बड़ा सवाल है? क्योंकि कांग्रेस की सत्ता में न्याय दिलाने वाली पुलिस पूरी तरीके से फेल थी पर अब जब सत्ता परिवर्तन हुआ है तो पुलिस व्यवस्था जनता को न्याय दिलाने के लिए ही होगी इस बात की उम्मीद अभी तक की जा रही है,क्या पुलिस विभाग की व्यवस्था बदलेगी या फिर पुराने ही सत्ता के समान चलते रहेगी? ऐसा ही एक मामला इन दोनों अंबिकापुर कोतवाली का सामने आया है जहां कांग्रेस की सरकार में अपराध दर्ज हुआ था और सत्ता परिवर्तन होने के बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है.. गिरफ्तारी नहीं हो पाई है यह तो ठीक है पर जिसे पुलिस फरार बता रही है वह प्रतिदिन सोशल मीडिया के जरिए व्हाट्सएप व फेसबुक के माध्यम से पीड़ित को परेशान करना नहीं छोड़ रहा है,वीडियो कॉल पर गाली-गलौज कर रहा है और व्हाट्सएप में भी गाली दी जा रही है अब सवाल यह उठता है कि सरगुजा में पहला साइबर थाना बनाया गया है पर क्या साइबर थाना की मदद से कोतवाली पुलिस उस आरोपी को पकड़ नहीं सकती या फिर पकड़ना ही नहीं चाहती? वैसे जिन आरोपियों की बात कर रहे हैं वह ट्रांसपोर्टर हैं और उनका पुलिस के कर्मचारियों से पुराना सांठ गांठ रहा है संबंध मधुर है क्या इसी वजह से आरोपियों को संरक्षण दिया जा रहा है ताकि वह न्यायालय से जमानत ला सके? पर यदि ऐसा हो रहा है तो फिर आप समझ सकते हैं कि न्याय के लिए बना पुलिस विभाग लोगों को कितना न्याय दिलाएगी। कप्तान साहब,त्रस्त है आवेदक का परिवार भयभीत है और कोतवाल साहब लगभग दो महीनों से आरोपी की खोजबीन करवा रहे है,पीड़ित के परिवार के कई सदस्यों को आरोपी अपना शिकार बना चुके हैं, और आगे बड़ी घटना को अंजाम देने का फरमान भी जारी कर दिये, इनका मनोबल इतना बढ़ा है कि एक और प्रकरण बलरामपुर थाने में इसी बीच दर्ज हो गया,अंततः आवेदक के परिवार वालों ने आरोपियों का पता बताने वाले को इनाम देने का सोच लिये,क्या यही सुशासन है साहब ?

पुलिस से कैसे करें न्याय की उम्मीद ?

अंबिकापुर पुलिस पूरी तरीके से एजेंट बनकर काम कर रही है अपराधी वहां पर आते हैं पर लोगों को डरा धमका कर या फिर सांठ-गांठ कर उसे मामले को वहीं पर दबा दिया जाता है, यही वजह है कि वहां पर कानून व्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा चुकी है वहां पर बैठे पुलिस कप्तान भी इसे गंभीरता से नहीं ले पा रहे हैं आलम यह होता जा रहा है की अंबिकापुर सिटी कोतवाली के अंतर्गत गुंडागर्दी हावी होती जा रही। और सबसे अजीब बात तो यह है कि पुलिस को जहां लोगों के न्याय के लिए आनी चाहिए वहां पर वह आरोपियों को ही संरक्षण करते देखे जाते हैं, पुलिस पर शहर के लोगों का यह भी आरोप है कि वहां पर पुलिस एजेंट की तरह काम करती है और पैसे लेने देने पर अपराध दर्ज होते हैं और धाराएं बढ़ती और कम होती हैं।

आखिर पुलिस क्यों नहीं गिरफ्तार कर रही आरोपियों को ?

घटना के लगभग दो महीने बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है इसकी वजह न जाने क्या है? पर लोगों का मानना है कि पुलिस आरोपियों को संरक्षण दे रही है परिजनों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी न होने की वजह से आरोपी दिनदहाड़े घूम रहे हैं और घरों में घुस के गाली-गलौज कर रहे हैं पर पुलिस इस पर कुछ भी नहीं कर रही है।

सरगुजा आईजी व पुलिस कप्तान को लेना होगा संज्ञान

सरगुजा आईजी व जिले के पुलिस कप्तान को भी इस मामले में संज्ञान लेना होगा ताकि पीड़ित को न्याय मिल सके और अपराधी को सजा...पीड़ित को सिर्फ अब यह उम्मीद सरगुजा पुलिस अधीक्षक से ही रह गई है क्योंकि स्थानीय अधिकारी व पुलिस तो आरोपी को संरक्षण देने में जुटे हुए जान पड़ते हैं।

जांच अधिकारी की खानापूर्ति भी सवालों में

मामला गंभीर है एक व्यक्ति को काफी चोटे आई हैं पर इसके बावजूद जांच अधिकारी हाथ पर हाथ धरे-धरे बैठे हुए हैं आरोपी को पकड़ने में उनकी दिलचस्पी बिल्कुल नहीं है और ऐसा लग रहा है कि आरोपी को संरक्षण भी यही दे रहे हैं।

यह है मामला...

मिली जानकारी के अनुसार मायापुर अंबिकापुर निवासी सुमित गुप्ता अपने मित्र सूरज गुप्ता को 17 नवंबर मतदान दिवस के दिन सुबह 10:00 बजे उसके घर घुटरापारा छोड़ने जा रहा था इसी बीच चांदनी चौक नानंदाउ पान ठेला के पास मायापुर निवासी विक्की गुप्ता उर्फ विकेश एवं घुटरापारा निवासी दीपक उर्फ दीपू गुप्ता मिल गए और सुमित गुप्ता को पुरानी लड़ाई झगड़ा की बात को लेकर गाली-गलौज करने लगे,जिस पर वह मामले को जैसे तैसे कर शांत कर वहा से निकलकर इसकी शिकायत अंबिकापुर कोतवाली में देने पहुंचा जहां पर थाना प्रभारी मौजूद नहीं थे पर उसने लिखित शिकायत दे कर आया पर वहां पर मौजूद पुलिसकर्मी ने उसे पावती नहीं दी कहा कि 1 घंटे बाद आकर ले जाना, 1 घंटे बाद जब वह अपने शिकायत की पावती लेने जा रहा था उसी समय फिर से मायापुर निवासी विक्की गुप्ता व दीपक गुप्ता मिल गए और सुमित गुप्ता को गाली गलौज करने के बाद उसे लड़ाई करने लगे और एक युवक ने लोहे की रोड से उसके ऊपर प्राण घाती घमला कर दिया और फिर उसे हाथ मुका और डंडे से खूब मारे जिस वजह से सुमित बुरी तरीके से घायल हो गया और उसे घायल अवस्था में ही जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने गंभीर चोट भी बताई इसके बाद उसके परिजन वहां पहुंचे और परिजनों ने मारपीट की घटना की शिकायत फिर थाने में दर्ज कराई जिसके बाद मामला तो पुलिस ने पंजीकृत कर लिया पर आरोपियों को पकड़ने में उनकी दिलचस्पी बिल्कुल भी नहीं है,खुले आम वह घूम रहे हैं और पीड़ित को गाली गलौज उसके घर में जाकर कर रहे हैं और धमकी दे रहे हैं की रिपोर्ट वापस ले लो नहीं तो ठीक नहीं होगा ऐसे में अंबिकापुर के कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठता है कि आखिर क्या पुलिस आरोपियों को संरक्षण देती है इतने गंभीर मामले में उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही।

आरोपी है आदतन

जिस आरोपी को लेकर पीड़ित परेशान है वह आरोपी आदतन है इसके ऊपर अंबिकापुर सहित बलरामपुर थाने में 5 अपराध अभी तक दर्ज है अब इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आरोपी कितने स्वच्छ छवि का है जिसे पुलिस गिरफ्तार करने से बच रही है या फिर हो सकता है कि पुलिस प्रयास कर रही है पर आरोपी पकड़ा ना जा रहा हो,पर यदि आरोपी अपने फोन से पीड़ित को धमका रहा है गाली-गलौज कर रहा है फिर भी पुलिस नहीं पकड़ पा रही है तो फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठना लाजिमी है।

नवपदस्थ कलेक्टर ने आम नागरिकों की समस्याओं को सुनकर प्राथमिकता से निराकरण करने के दिया निर्देश

-संवाददाता-
कोरबा 07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

जिले के नवपदस्थ कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार के दिन सभी जिला अधिकारियों को अपने दफ्तर में बैठकर कार्यालयीन कार्य करते हुए आम नागरिको की समस्याओं को सुनने और पेंशन,अनुकम्पा के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री वसंत ने जिले के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सोमवार के दिन निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का नियमानुसार निराकरण किया जाए। साथ ही विभिन्न विभागों में अनुकम्पा और पेंशन संबंधी प्रकरणों का भी प्राथमिकता के साथ निराकरण हो। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सोमवार को अति आवश्यक स्थिति में ही फील्ड पर निरीक्षण कार्य पर जाएं। लेकिन सप्ताह में 2-3 दिन आवश्यक रूप से फील्ड पर जाकर विभागीय कार्यो का निरीक्षण करें। उन्होंने विभागीय कार्यो के समीक्षा के लिए भी निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकारी अपने विभाग में संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन को प्राथमिकता से सुनिश्चित करें और समीक्षा बैठक में विस्तृत जानकारी के साथ प्रस्तुत हों।

जनपद सीईओ/ पटवारी/ सचिव सहित अन्य अधिकारी मुख्यालय में रहकर करें कार्य

कलेक्टर अजीत वसंत ने सभी सचिव व पटवारियों को सोमवार सहित न्यूनतम 2-3 दिवस अपने मुख्यालय में उपस्थित रह कर कार्य संपादित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को भी सप्ताह में 03 दिन फील्ड पर जाकर शासकीय कार्यो का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन के साथ हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

रामानुजगंज में सहकारी बैंक से पैसे नहीं निकाल पा रहे किसान

-संवाददाता-
बलरामपुर 07 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

बलरामपुर के रामानुजगंज में किसान अपने उपज और बोनस का पैसा निकालने बैंक पहुंच रहे हैं। लेकिन बैंक में लंबी लाइन लगाने के बावजूद किसान पैसे नहीं निकाल पा रहे हैं।. सहकारी केंद्रीय बैंकों में किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.। बलरामपुर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को धान का बोनस देने के बाद किसान पैसा निकालने के लिए बैंकों में पहुंच रहे हैं.। बलरामपुर के रामानुजगंज सहकारी केंद्रीय बैंक में लगातार किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.। दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आए किसान बैंक में लंबी लाइन में लगने के बावजूद शाम तक पैसे नहीं निकाल पा रहे है.। इस वजह से आए दिन यहां किसानों और बैंक कर्मियों के बीच विवाद की स्थिति बनी जाती है.दूरदराज के क्षेत्रों से पहुंचते हैं किसान रामानुजगंज सहकारी बैंक में किसान लगातार अपना पैसा निकालने पहुंच रहे हैं। आसपास के करीब 50-60 किलोमीटर दूर से दर्जनों गांवों के किसान अपने पैसे निकालने के लिए पहुंच रहे हैं।. लेकिन जब किसानों को बैंक से पैसा नहीं मिलता, तो उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है.। सुबह से शाम तक लाइन में खड़े होने के बावजूद भी किसानों को पैसे नहीं मिल पा रहा है.किसानों को हो रही परेशानी सहकारी बैंक किसानों का बैंक माना जाता है.। यहां किसान अपने मेहनत की उपज और बोनस का पैसा निकालने के लिए पहुंच रहे हैं.। धान बेचने के बाद किसानों के खाते में पैसे आने के बाद किसान बैंक का रूख कर रहे हैं. बैंक के अधिकारी-कर्मचारियों की लापरवाही के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.। सुबह से शाम तक लगती है लंबी कतार रामानुजगंज के सहकारी बैंक में सुबह से लेकर देर शाम तक किसानों की लंबी कतारें लगी हुई रहती है.। बैंक में गहमागहमी का माहौल बना हुआ रहता है.। बैंक कर्मचारियों और किसानों के बीच नोंक-झोंक की स्थिति भी बनी हुई रहती है।

पूर्व राजस्व मंत्री ने उप मुख्य मंत्री को लिखा पत्र

-संवाददाता-
कोरबा 07 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा अंचल के सर्वागीण विकास के प्रति कृत संकल्पित पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने शासन द्वारा स्वीकृत विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाने के लिए शीघ्र निविदा जारी करने हेतु प्रदेश के उप मुख्य मंत्री व लोक निर्माण मंत्री अरूण साव को पत्र लिखा है। श्री साव को लिखे पत्र में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने स्पष्ट किया है कि कोरबा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे भारी वाहनों के दबाव से आम जनता को राहत पहुंचाने की दृष्टि से दर्री बरॉज से बरमपुर तक लगभग 8-5 किलोमीटर लम्बाई की कैनाल रोड को 2 लेन सी-सी- रोड निर्माण किए जाने के लिए उनके द्वारा एस-ई-सी-एल- प्रबंधन से 83 करोड़ राशि की स्वीकृति करवाई जा चुकी थी और प्रथम किस्त के तौर पर एस-ई-सी-एल- प्रबंधन द्वारा कोरबा जिला कलेक्टर के माध्यम से शासन के पास राशि जमा भी करवा दिया गया है। पत्र में आगे लिखा गया है कि प्रदेश में विधान सभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू हो जाने के कारण उक्त सड़क निर्माण कार्य के लिए निविदा जारी नहीं करवाया जा सका था। इसी प्रकार कोरबा से चांपा को जोड़ने वाली सड़क के लिए सीतामणी-कोरबा से उरगा स्थित होटल रिलैक्स इन के पास निर्माणधीन राष्ट्रीय राजमार्ग के मिलन बिन्दु तक 4 लेन सड़क निर्माण कार्य पर अनुमानित लागत लगभग रू-130 करोड़ और सी-एस-ई-बी- चौक से दर्री बरॉज तक तैयार हो चुके 4 लेन सी-सी- रोड के मार्ग में पड़ने वाले पुल-पुलिया के निर्माण कार्य हेतु अनुमानित लागत रू- 36 करोड़ के लिए भी शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इस 4 लेन सड़क व पुल-पुलिया निर्माण कार्य की अनुमानित कुल लागत 166 करोड़ राशि की स्वकृति शासन द्वारा पहले ही प्रदान की जा चुकी है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग अम्बिकापुर निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक7424/NIT07/23-24/व.ले.लि./ अम्बिकापुर दिनांक 20/12/2023

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथिः- 12/01/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक।

ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :-16/01/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 17/01/2024 पूर्वाहन 11.00 बजे तक

निविदाकारों की श्रेणी :- एकल पंजीयन में पंजीकृत द वर्ग ठेकेदार

सड़क एस.ओ.आर. :- 01/01/2015 लागू दिनांक 22/02/2023 तक संशोधित

एन.आई.टी. क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.में) बैंक सेल्वेन्सी (रू. में) निविदा प्रपत्र की कीमत (रू.में) कार्य की अवधि
07 T0106	सी.जी.आर.डी.सी.एल. योजनान्तर्गत अम्बिकापुर धनवार वाराणसी मार्ग के कि.मी. 1 से 3, 14 से 18 एवं 36 से 38/4 कुल 10.40 कि.मी. में रोड सेफ्टी का कार्य	19.86 14895.00 300000.00 750.00 03 माह वर्षा ऋतु सहित

टीप :- सभी कार्यों का कार्यावधि मूल कार्य की पूर्णता तिथि से होगी निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है एवं निविदा संबंधित शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी नंबर-06919/1

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
संभाग-अम्बिकापुर

घटती घटना
आवश्यकता है
दैनिक अखबार घटती घटना
में मशीन हेल्फर की आवश्यकता है
कार्य समयः शाम 7 बजे से देर रात तक
योग्यता 10वीं पास
वेतन 7000 से 10000
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
संपर्क-संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,नमनाकला अंबिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़, मो. 9826532611

न्यायालय सक्षम अधिकारी (व्यपवर्तन)एवं अनुविभागीय अधिकारी रा. खड़गवां जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ0ग0

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.../02/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम खड़गवां तहसील खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ0ग0 को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सूर्य विक्रम प्रताप सिंह आ0 स्व0 देवनारायण सिंह जाति राजगोंड़ निवासी ग्राम खड़गवां तहसील खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुरा छ0ग0 के द्वारा छ0ग0 भू0रा0 संहिता 1959 की धारा 172 के तहत ग्राम खड़गवां तहसील खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नं. 449/2 रकबा 0.08 हे0 जो राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि खसरा नंबर 449/2 रकबा 0.08 हे0 भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु भूमि व्यपवर्तन करने हेतु आवेदन शपथ पत्र, नक्शा, खसरा, बी-1, मिसल अभिलेख वर्ष 1948-49 ले-आउट नक्शा, रिनम्बरिंग सूची, एवं ग्राम पंचायत खड़गवां का अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को भी कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 16/01/2024 को सायं 5:00 बजे तक आपत्ति पेश कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 01/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी।

सील
सक्षम प्राधिकारी व्यपवर्तन एवं अनुविभागीय अधिकारी रा. खड़गवां जिला-एम.सी.बी. छ.ग.

न्यायालय सक्षम अधिकारी (व्यपवर्तन)एवं अनुविभागीय अधिकारी रा. खड़गवां जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ0ग0

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.../01/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम खड़गवां तहसील खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ0ग0 को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मनोज कुमार सिंह आ0 धनंजय सिंह जाति राजपूत निवासी ग्राम खड़गवां तहसील खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ0ग0 के द्वारा छ0ग0 भू0रा0 संहिता 1959 की धारा 172 के तहत ग्राम खड़गवां तहसील खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नं. 399 रकबा 0.33 हे0 जो राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि खसरा नंबर 399 रकबा 0.33 हे0 में से रकबा 0.08 हे0 भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु भूमि व्यपवर्तन करने हेतु आवेदन शपथ पत्र, नक्शा, खसरा, बी-1, भूमि विक्रय प्रमाण पत्र, ले-आउट नक्शा, रिनम्बरिंग सूची, एवं ग्राम पंचायत खड़गवां का अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को भी कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 16/01/2024 को सायं 5:00 बजे तक आपत्ति पेश कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 01/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी।

सील
सक्षम प्राधिकारी व्यपवर्तन एवं अनुविभागीय अधिकारी रा. खड़गवां जिला-एम.सी.बी. छ.ग.

जूनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैम्प के लिए 41 खिलाड़ियों का चयन

एसएआई ने की नामों की घोषणा,खांडेकर ने कहा,''खिलाड़ियों का चयन हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप, क्षेत्रीय चैंपियनशिप के अलावा जूनियर महिला अकादमी राष्ट्रीय चैंपियनशिप और क्षेत्रीय चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

नयी दिल्ली,07 जनवरी 2024 । हॉकी इंडिया ने बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) परिसर में सोमवार से शुरू होने वाले जूनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए रविवार को 41 सदस्यीय टीम घोषित की। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 2023 में घरेलू चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर किया गया।
एक महीने तक चलने वाले इस शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को कोच तुषार खांडेकर के पास रिपोर्ट करनी होगी। शिविर छह फरवरी को समाप्त होगा। खांडेकर ने कहा,''खिलाड़ियों का चयन हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप, क्षेत्रीय चैंपियनशिप के अलावा जूनियर महिला अकादमी राष्ट्रीय चैंपियनशिप और क्षेत्रीय चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।'' उन्होंने कहा,''मेरा शुरू से मानना है कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है। मैं इन नए खिलाड़ियों के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हूं। इन्हें अगले जूनियर विश्व कप को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा।''

शिविर के लिए चुने गए खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

गोलकीपरः विद्याश्री वी, अदिति माहेश्वरी, निधि, एंगिल हर्षरानी मिंज डिफेंडरः लालथंटलुआंगी, नीरू कुल्लू, ममिता ओरम, थौंजाओजम निरुपमा देवी, ज्योति सिंह, अंजलि बरवा, पवनप्रीत कौर, पूजा साहू मिडफील्डरः प्रियंका डोगरा, रजनी करकेट्टा, एफ लालबी अक्सियामी,मनीषा,निराली कुजूर,हिना बानो,क्षेत्रमयुम सोनिया देवी, अनिशा साहू, प्रियंका यादव, खैदेम शिलेमा, सुप्रिया कुजूर, जयसिकदीप कौर, बिनिमा धान, हुदा खान, साक्षी राणा फॉरवर्डःसोनम , संजना होरो, देचम्मा पीजी, इशिका, हिमांशी शरद गवांडे, कनिका सिवाच, निशा मिंज, यमुन्ना, गीता यादव, गुरमेल कौर, लालरिनपुई, मुनमुनी दास, अश्विनी पंजाब कोलेकर, सुनेलिता टोप्पो। स्टैंडबायः लखीमोनी मजुवार (गोलकीपर), ममतेश्वरी लहरे (डिफेंडर), सेजल (फॉरवर्ड)।

टी 20 विश्व कप 2024 के लिए रोहित होंगे कप्तानःआकाश चोपड़ा

नयी दिल्ली,07 जनवरी 2024 । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने उम्मीद जताई है कि रोहित शर्मा टी 20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम की कप्तानी कर सकते हैं, क्योंकि हार्दिक पांड्या के साथ चल रही फिटनेस चुनौतियों के कारण इस ऑलराउंडर के खेलने पर सस्पेंस बना हुआ है। हार्दिक 19 अक्टूबर से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं। वह वर्ल्ड कप 2023 के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में गेंदबाजी करते समय चोटिल हो गए थे। इस चोट के कारण उन्हें वर्ल्ड क प और बाद में कई सीरीज से भी बाहर बैठना पड़ा।
हार्दिक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला, दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान तीन मैचों की टी20 और वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं थे। चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हार्दिक शायद कप्तान नहीं होंगे क्योंकि उनकी फिटनेस को लेकर एक मसला है। आप वर्तमान में नहीं खेल रहे हैं। विश्व कप में आपका टखना मुड़ गया था। आप अफगानिस्तान श्रृंखला नहीं खेल रहे हैं। किसी भी हाल में टेस्ट नहीं खेलोगे तो सीधे आईपीएल खेलोगे। इसलिए यह सब उनके खिलाफ जा रहा है।
मुझे लगता है कि रोहित शर्मा टी20 कप्तानी करेंगे और टी20 विश्व कप 2024 के लिए भी कप्तान होंगे। यदि आपने टी20 विश्व कप 2022 के बाद यह सवाल पूछा होता, तो यह लगभग तय था कि वह कप्तान नहीं होंगे, लेकिन वर्तमान में चीजें काफी अलग हैं। वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप इस साल 1 जून से 29 जून तक होने वाला है।
भारत अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ करेगा। टूर्नामेंट का उसका दूसरा मैच 9 जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होगा।

संक्षिप्त खेल समाचार

चीन ने डब्ल्यूटीटी पुरुष फाइनल्स में एकल और युगल खिताब जीते

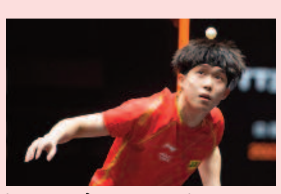

दोहा,07 जनवरी 2024। चीन ने 2023 विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) पुरुष फाइनल्स में एकल और युगल दोनों में 1-2 स्थान हासिल किया।
वांग चुकिन ने दुनिया के नंबर 1 फैन ज़ेंडॉन्ग को 11-8, 11-9, 14-12, 11-7 से हराकर एकल चैंपियन का खिताब जीता, जबकि युआन लिसेन और जियांग पेंग ने लिन गाओयुआन और लिन शिदोंग को युगल फाइनल में 11-8, 11-2 11-8 से हराया।
वांग ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतने स्कोर से जीतूंगा। भाई डोंग (फैन ज़ेंडॉन्ग) के खिलाफ खेलते हुए, मेरे ऊपर बिल्कुल भी बोझ नहीं था और पूरा दबाव उसकी तरफ था। मैं उसे चुनौती देने की मानसिकता के साथ मैच में उतरा था। .एकल और युगल सेमीफाइनल एक ही दिन हुए, और वांग चुकिन, जिन्होंने फैन ज़ेंडॉन्ग के साथ जोड़ी बनाई, सेमीफाइनल में लिन गाओयुआन और लिन शिदोंग से 11-8, 11-9, 12-10 से हार गए, उन्होंने एक साथ दिन में तीन मैच खेले।उन्होंने एकल सेमीफ़ाइनल में जर्मनी के किउ डांग को 4-0 से हराया, जिन्होंने लगातार दो चीनी पैडलर्स, ली शिदोंग और लियांग जिंगकुन को बाहर कर दिया। फैन ने दूसरे सेमीफाइनल में लिन गाओयुआन पर 4-0 से जीत दर्ज की।युगल खिताब जीतने के बाद युआन और जियांग ने खुशी व्यक्त की। हम बहुत खुश हैं। हमें उम्मीद नहीं थी कि मैच इतना आसानी से चलेगा, लेकिन हमने कोर्ट पर अपना संयम बनाए रखा।

गोकुलम केरल ने स्पोर्ट्स ओडिशा को 8-0 से हराया

कोझिकोड,07 जनवरी 2024। गत चैंपियन गोकुलम केरल एफसी ने ईएमएस कॉर्पोरेशन स्टेडियम में भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) 2023-24 में स्पोर्ट्स ओडिशा को 8-0 से हराकर खिताब जीतने की अपनी संभावना बरकरार रखी।
हालांकि गोकुलम पिछले सीज़न की तरह समान वर्ग और प्रभुत्व प्रदर्शित नहीं कर रहा है, लेकिन गोकुलम वर्तमान संस्करण में चार मैचों में सात अंक ही अर्जित कर पाया है। उसने दो मैच जीते हैं, एक हारा है और एक ड्रा रहा है। बड़ी जीत निश्चित रूप से उनके दावे को मजबूत करेगी क्योंकि वे अपने 2023-24 अभियान की उदासीन शुरुआत से उबर गए हैं।
दूसरी ओर, स्पोर्ट्स ओडिशा आईडब्लूएल 2023-24 में पूरी तरह से अपनी गहराई से बाहर लगता है; चार मैचों के बाद उनकी झोली में एक भी अंक नहीं है। उन्होंने अब तक 16 गोल खाए हैं और केवल एक बार ही गोल कर सके हैं। असहाय स्पोर्ट्स ओडिशा डिफेंस के पास गोकुलम हमले के खिलाफ कोई जवाब नहीं था क्योंकि केरल की टीम हाफ टाइम तक 6-0 से आगे थी।

अभिमन्यु ईश्वरन इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच और पहले बहु-दिवसीय मैच के लिए भारत 'ए' टीम के कप्तान होंगे

नई दिल्ली ,07 जनवरी 2024। बंगाल के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को इस महीने के अंत में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाले दो दिवसीय अभ्यास मैच और पहले मल्टी-डे मैच के लिए भारत 'ए' टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। भारत 'ए' इंग्लैंड लायंस के इस दौरे में कुल 3 बहु-दिवसीय मैच खेलेगी। बंगाल के लिए लाल गेंद के शानदार सलामी बल्लेबाज ईश्वरन हाल ही में भारत की टेस्ट टीम के सदस्य थे, जिसने घायल रुतुराज गायकवाड़ के प्रतिस्थापन के रूप में शामिल होने के बाद दक्षिण अफ्रीका में दो मैचों की श्रृंखला ड्रा कराई थी।
उन्होंने पिछले महीने बेनोनी के विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ अपने आखिरी चार दिवसीय मैच में भारत 'ए' की कप्तानी भी की थी, जहां उन्होंने 18 रन बनाए थे। भारत 'ए' टीम के नियमित खिलाड़ी, ईश्वरन को 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी घरेलू श्रृंखला के लिए भारत की टेस्ट टीम के पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों में से एक के रूप में नामित किया गया था।
उन्हें 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल के लिए और उस वर्ष के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ टीम की विदेशी श्रृंखला के लिए भारत की टेस्ट टीम में चार स्टैंडबाय खिलाड़ियों में से एक के रूप में भी नामित किया गया था। ईश्वरन ने 89 प्रथम श्रेणी मैचों में 47.03 की औसत से 6585 रन बनाए थे, जिसमें 22 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। 13 सदस्यीय टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी पहली वनडे सीरीज में दो अर्द्धशतक लगाए थे, साथ ही रजत पाटीदार भी शामिल थे, जिन्हें पार्ल में अंतिम वनडे में अपनी पहली वनडे कैप सौंपी गई थी। विकेटकीपर-बल्लेबाज केएस भरत और तेज गेंदबाज नवदीप सैनी भारत 'ए' टीम के अन्य कैप्ड खिलाड़ी हैं। बल्लेबाज सरफराज खान और प्रदोष रंजन पॉल, साथ ही विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार, ऑफ स्पिनर पुलकित नारंग, और तुषार देशपांडे, विदवथ कावरप्पा और आकाश दीप की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शेष भारत 'ए' टीम का हिस्सा है।
भारत 'ए' के खिलाफ इंग्लैंड लायंस के मैच दो दिवसीय अभ्यास मैच के साथ शुरू होंगे, जो 12 जनवरी से शुरू होगा और नरेंद्र मोदी स्टेडियम ग्राउंड 'बी', अहमदाबाद में खेला जाएगा। 17 जनवरी से शुरू होने वाला पहला चार दिवसीय मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।
भारत 'ए' टीमः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, सरफराज खान, प्रदोष रंजन पॉल, केएस भरत (विकेटकीपर), मानव सुथार, पुलकित नारंग, नवदीप सैनी, तुषार देशपांडे, विदवथ कावेरप्पा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आकाश दीप

फैबिद अहमर कतर में पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए तैयार

कोयंबटूर,07जनवरी 2024। कई आईएनआरसी विजेता, केरल स्थित फैबिद अहमर प्रतिष्ठित एफआईए मध्य पूर्व रैली के एक दौर, कतर इंटरनेशनल रैली में प्रतिस्पर्धा करने वाले पहले भारतीय रैली ड्राइवर बनने के लिए तैयार हैं। चैम्पियनशिप, क्योंकि वह अगले महीने अपनी पहली अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए तैयार है। जेके टायर मोटरस्पोर्ट द्वारा समर्थित, जिसने भविष्य के मोटरस्पोर्ट सितारों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, फैबिद और उनके सह-चालक मिलन जॉर्ज, दुबई के टूलबॉक्स ऑटोवर्क्स द्वारा तैयार सुबारू इम्प्रेज़ा 4 रैली कार चलाएंगे।
कतर अंतर्राष्ट्रीय रैली मध्य पूर्व रैली चैम्पियनशिप की शुरुआत का प्रतीक है। 1-3 फरवरी, 2024 तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन उभरते हुए रैली सितारे शामिल होंगे।
रैली, संशोधित तीन दिवसीय प्रारूप में, 622.49 किमी की दूरी तय करते हुए 13 समयबद्ध विशेष चरणों में आयोजित की जाएगी। पिछले साल, रैली में 13 से अधिक देशों की 23 अंतरराष्ट्रीय टीमों ने भाग लिया था, जो वोक्सवैगन पोलो जीटीआई, स्कोडा फैबिया रैली 2 ईवो, फोर्ड फिएस्टा आर 5 आदि जैसी शीर्ष श्रेणी की कारें चला रही थीं, जिससे यह एक एड्रेना लाईन- संचालित कार्यक्रम बन गया।

कोको गॉफ ने लगातार दूसरी बार ऑकलैंड टेनिस क्लासिक का खिताब जीता

यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को हराया

ऑकलैंड,07 जनवरी 2024। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके रविवार को यहां फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को हराकर ऑकलैंड टेनिस क्लासिक में अपने खिताब का सफलता पूर्वक बचाव किया। गॉफ ने स्वितोलिना को 6-7 (4), 6-3, 6-3 से हराया। पूरे सप्ताह में यह पहला अवसर था जबकि गॉफ को तीन सेट तक जूझना पड़ा। वह बिना सेट गंवाए फाइनल में पहुंची थी। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने पिछले साल यहां बिना सेट गंवाए खिताब जीता था। लेकिन इस बार फाइनल में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। यह मैच दो घंटे 23 मिनट तक चला। गॉफ 2018 और 2019 की चैंपियन जूलिया जॉर्जेस के बाद लगातार ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं। यह 1989 के बाद पहला अवसर है जब किसी अमेरिकी खिलाड़ी ने इस प्रतियोगिता में अपने खिताब का बचाव किया। उनसे पहले पैटी फेंडिक ने 1988 और 1989 में ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीता था। गॉफ ने कहा,''यह मेरे करियर में पहला अवसर है जबकि मैंने अपने खिताब का बचाव किया। इसलिए मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि आज मैं ऐसा करने में सफल रही।

गुजरात जायंट्स ने तेलुगू टाइटंस को 37-30 से हराकर शानदार वापसी की

मुंबई,07 जनवरी 2024। डोम बाई एनएससीआई, मुंबई में खेले गए प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 में गुजरात जायंट्स ने तेलुगू टाइटंस को 37-30 से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। जायंट्स के डिफेंडर दीपक सिंह ने शानदार नौ टैकल अंक जुटाकर अपनी टीम को वापसी में जीत दर्ज करने में मदद की। इस बीच टाइटंस तालिका में सबसे नीचे है और अब चार मैचों में हार का सिलसिला जारी है।
सहरावत ने खेल की शुरुआत की, सीटी बजते ही सुपर रेड मारकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। दोनों टीमों के बीच नियमित अंतराल पर छापेमारी के साथ काफी देर तक आगे-पीछे का दौर चला। टाइटंस की रेडिंग काफी हद तक सहरावत पर निर्भर थी और उन्होंने अपनी फॉर्म के अनुरूप पहले हाफ में अपनी टीम के आधे से अधिक रेड अंक हासिल किए।
जबकि दिग्गजों की दुर्जेय रक्षा ने टाइटंस को अपने पैर की उंगलियों पर रखा, हाफ के अंतिम पांच मिनटों में टाइटंस ने उन्हें जीवित रखा। ऑल-आउट का सामना करते हुए टाइटंस के रेडर एस. संजीवी ने खेल में बने रहने के लिए जायंट्स की रक्षापंक्ति की त्रुटियों की एक श्रृंखला का फायदा उठाया। वहां से उन्होंने एक के बाद एक तीन सुपर टैकल किए, न केवल ऑल-आउट को रोका, बल्कि ब्रेक पर भी बढ़त बनाए रखी।
पहले हाफ के प्रतिरोध के बावजूद जायंट्स को खेल का पहला ऑल-आउट करने में ज्यादा समय नहीं लगा, क्योंकि टाइटंस ने अपनी बढ़त को एक अंक तक कम कर दिया। बढ़त अधिक समय तक नहीं टिकी, क्योंकि दिग्गजों ने अपने गेमप्ले को तेज़ कर दिया और टाइटंस लड़खड़ा गए। बहुत सारी रक्षात्मक त्रुटियां और सहरावत को पुनर्जीवित करने में उनकी असमर्थता के कारण उन्हें एक चौथाई से भी कम खेल खेलने के साथ दूसरी बार ऑल-आउट का सामना करना पड़ा।
एक बार बढ़त बनाने के बाद दिग्गजों ने अपनी पकड़ ढीली नहीं की, क्योंकि उन्होंने शानदार वापसी की और जीत के हकदार थे।

भारत में टेस्ट के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी को लेकर अनिश्चित हैं बेयरस्टो

नई दिल्ली ,07 जनवरी 2024। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो ने कहा कि उन्हें अभी तक पता नहीं है कि वह भारत में 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान टीम के लिए कीपिंग ग्लव्स पहनेंगे या नहीं। आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैचों के लिए 2023 टेस्ट होम समर में बेयरस्टो इंग्लैंड के प्राथमिक विकेटकीपर-बल्लेबाज थे।

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने दिखाई अपनी वॉशबोर्ड एब्स

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी स्ट्रीमिंग सीरीज किलर सूप की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता ने अपने वॉशबोर्ड एब्स के साथ एक फोटो शेयर की।तस्वीर में मनोज अपने वॉशबोर्ड एब्स दिखा रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, नया साल, नया मैं, देखो सूप का मेरी बॉडी पर असर, एकदम किलर लुक है ना?गैंग्स ऑफ वासेपुर में मनोज को निर्देशित करने वाले फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने फोटो पर टिप्पणी की, छुपे रुस्तम मनोज की सत्या और अलीगढ़ के एडिटर अपूर्व असरानी ने टिप्पणी की, बहुत प्रभावशालीमनोज के पास पाइपलाइन में किलर सूप है। सीरीज में कोंकणा सेनशर्मा, नासिर, सयाजी शिंदे और लाल भी हैं, यह एक घरेलू शेफ, एक इंस्पेक्टर और खलनायकों की कहानी बताती है।सीरीज का निर्देशन और सह-लेखन अभिषेक चौबे ने किया है। यह 11 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

जान्हवी कपूर की स्पीड डायल पर रूमर्ड बॉयफ्रेंड का नंबर,करण जौहर के सामने किया खुलासा

बॉलीवुड सिस्टर्स जान्हवी और खुशी कपूर स्ट्रीमिंग चैट शो कॉफी विद करण के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगी।दोनों अपने करियर, फैमिली और लव लाइफ को लेकर चर्चाओं में हैं। शो के निर्माताओं ने सोमवार को अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो शेयर किया और इसमें बहनों के बीच मजेदार बातचीत का वादा किया गया है। रैट रेस सेगमेंट में करण जौहर ने जाह्नवी से पूछा, च्आपके स्पीड डॉयल में किन-किन लोगों का नंबर है।इस पर उन्होंने पापा (बोनी कपूर), खुशु (बहन खुशी कपूर) और शिखू (रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया) का नाम लिया। आपको बता दें कि जाह्नवी कथित तौर पर शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं और प्यार से उन्हें शिखू बुलाती हैं। इसके बाद करण ने खुशी से पूछा, च्ऐसा कहा जा रहा है कि आप वेदांग रैना को डेट कर रही हैं?इस पर जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, आपको फिल्म ओम शांति ओम का वो सीन याद है, जहां अवार्ड्स के लिए आए स्टार्स से सवाल-जवाब किए जाते हैं। जब उनसे ओम के बारे में पूछा जाता है तो वे कहते हैं- ओम और मैं सिर्फ अछे दोस्त हैं। रैपिड फायर राउंड में, करण पूछते हैं, च्अगर खुशी को अनन्या पांडे के साथ काम करना हो तो वे अपनी बहन को क्या सलाह देंगी?
जान्हवी कहती हैं, बस ये सुनिश्चित करें कि आप उसी सेम लड़के को पसंद ना करें।
गौरतलब है कि जान्हवी और अनन्या दोनों ईशान खट्टर को डेट कर चुकी हैं। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म धड़क से जान्हवी ने ईशान खट्टर को डेट किया था। वहीं, 2020 की फिल्म खाली पीली के दौरान अनन्या पांडे और ईशान खट्टर डेट कर रहे थे। कॉफी विद करण डिज़्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम होता है।

करण सिंह ग्रोवर ने दिखाए अपने वॉशबोर्ड एब्स

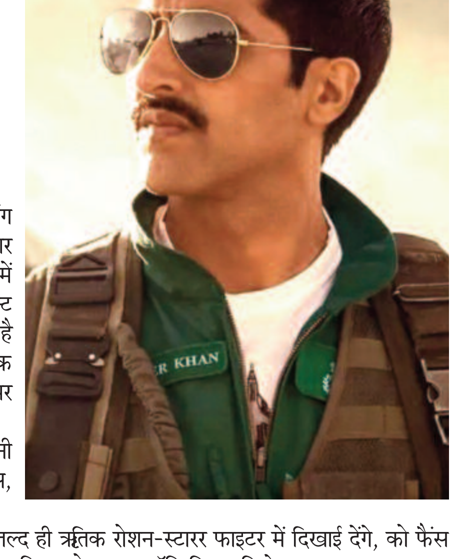

एक्टर करण सिंह ग्रोवर, जो अपनी अपकमिंग फिल्म फाइटर की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं, ने मंगलवार को अपनी तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह अपने टोन्ड बॉडी और वॉशबोर्ड एब्स फ्लॉन्ट कर रहे हैं।करण, जो दिल मिल गए और कुबूल है जैसे शो में अपने काम के लिए जाने जाते हैं, एक फिटनेस फ्रीक हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर अपने वर्कआउट रूटीन भी शेयर करते रहते हैं।
एक्टर ने कई तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वह पानी के बीच में नजर आ रहे हैं और अपने बाइसेप्स, मसल्स और वॉशबोर्ड एब्स दिखा रहे हैं।
पोस्ट का टाइटल मेटमोरफोसिस था। करण, जो जल्द ही ऋतिक रोशन-स्टारर फाइटर में दिखाई देंगे, को फैंस से सराहना मिली।एक फैन ने लिखा, आखिरकार ऋतिक को तगड़ा कॉम्पिटिशन मिलेगाज्।
ऋतिक और दीपिका पादुकोण स्टारर फाइटर में करण स्काड्रन लीडर सरताज गिल की भूमिका में हैं।
फाइटर सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम18 स्टूडियोज की पेशकश है।फिल्म में अनिल कपूर, अक्षय ओबेरॉय, संजीदा शेख और तलत अजीज भी हैं।
यह 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या नए मुख्यमंत्री सरगुजा में हुए भूमि के भ्रष्टाचार का करवायेंगे जांच...

» सरकार बदल गई पर राजस्व विभाग का घोटाला बदलने का नाम नहीं ले रहा है...

» मुख्यमंत्री का है सरगुजा में आगमन क्या लगभग 60 करोड़ की जमीन नामांतरण के मामले की होगी जांच?

» क्या चार करोड़ में कर दिया लगभग 60 करोड़ की जमीन का नामांतरण,अंबिकापुर में एक और जमीन घोटाले की शिकायत

-भूपेन्द्र सिंह-

अंबिकापुर 07 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। आने वाले समय में 1 इंच भी शासकीय जमीन नहीं बचेगी, क्योंकि सारे शासकीय जमीन पर तो भू माफिया कब्जा कर लेंगे, जो अब तक होते चला जा रहा है, भूमि की रक्षा करने वाला राजस्व विभाग भी भू-माफिया के साथ मिलकर शासकीय भूमि को निजी भूमि बनाने पर आमदा है पिछली सरकार में राजस्व विभाग में भू-माफिया का किस कदर आतंक बड़ा यह किसी से छुपा नहीं है पूरे अंबिकापुर शहर के आसपास की शासकीय भूमि पर भू माफियाओं ने कब्जा कर बैठा है शिकायत होती गई पर कार्यवाही नहीं हुई,पुराने कलेक्टर भी बदल गए नए कलेक्टर आ गए फिर भी शिकायत की जांच करना राजस्व विभाग मुनासिब नहीं समझ रहा है। ये अंबिकापुर का मामला जो लगभग 60 करोड़ की शासकीय जमीन जो निजी व्यक्ति के नाम पर हो गई जिसकी शिकायत भी हुई पर जांच अभी भी ठंडे बस्ते में है अब सीएम साहब का सरगुजा दौरा होना है अब देखना यह है कि क्या इस मामले में राजस्व विभाग जांच करके निजी भूमि को शासकीय भूमि करेगा या फिर शासकीय भूमि को निजी हाथों में देखकर भू-माफिया की मदद करेगा?

शासकीय नजूल की बेशकीमती जमीन आखिर बन्सु लोहार के नाम कैसे हुई?

ज्ञात हो की शासकीय जमीन की हेराफेरी के लिए अंबिकापुर शहर कई वर्षों से बदनाम रहा है। यहां के कुछ राजस्व कर्मचारियों और भू-माफियाओं के बीच तगड़ी सेटिंग किसी से छिपी नहीं है। इसी तगड़ी सेटिंग का परिणाम है कि अंबिकापुर शहर के नमनाकला राजमोहिनी देवी के पीछे बेशकीमती जमीन का घोटाला कर दिया गया। नियम विरुद्ध तरीके से लगभग 60 करोड़ रूपये की भूमि का फर्जी तौर से नामांतरण कर दिया गया। जिस व्यक्ति के नाम जमीन का नामांतरण किया गया उसका कब्जा कभी भी उस जमीन पर नहीं था लेकिन सूत्रों की माने तो चार करोड़ रूपये की सेटिंग में कुछ कर्मचारियों ने फर्जी तरीके से जमीन का नामांतरण कर दिया। नामांतरण से पहले ही जमीन पर दूसरे लोगों का निर्माण था। राजस्व अभिलेखों में नाम अंकित होते ही संबंधित व्यक्ति ने उक्त जमीन को नियम विरुद्ध तरीक़े से बेचना भी शुरू कर दिया है। मामले में नजूल अधिकारी कार्यालय के एक लिपिक तथा नमनाकला के हलका पटवारी तथा राजस्व निरीक्षक की भूमिका संदिग्ध है। मामले की शिकायत कलेक्टर सरगुजा से हुई है। इस शिकायत के सामने आने के बाद गड़बड़ी में संलिप्त अधिकारी, कर्मचारी बचाव की मुद्रा में आ गए हैं।

कलेक्टर को प्रेषित ज्ञापन में आवेदक ने लिखा क्या है...

आवेदक के अनुसार खसरा नंबर 243/1 में से रकबा 1.710 डिसमिल भूमि स्थित ग्राम नमना कला, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. को फर्जी तौर से नजूल अधिकारी तथा नजूल अधिकारी के लिपिक एवं नमना कला के हल्का पटवारी व राजस्व निरीक्षक के द्वारा भू-माफियाओं से मिलकर लगभग 60 करोड़ रूपये की भूमि का फर्जी तौर से नामांतरण कर 04 करोड़ रूपये की अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा धन उगाही कर भ्रष्टाचार करने के संबंध में।

भूमि सरगुजा स्टेट सेटेलमेंट के अनुसार गोचर मद में दर्ज थी

जबकि उक्त भूमि नगर सीमा से सटी हुई है, जिसके अनुसार वह भूमि राजस्व पुस्तक परिपत्र के अनुसार किसी भी परिस्थिति किसी को 01 वर्ष से के लिए कृषि कार्य से अतिरिक्त पट्टे पर प्रदान नहीं की जा सकती साथ ही यह उल्लेखनीय है कि उक्त भूमि सरगुजा स्टेट सेटेलमेंट के अनुसार गोचर मद में दर्ज है, जिसका किसी भी स्थिति में पट्टा प्रदान नही किया जा सकता है।इन सब तथ्यों को प्रकरण में विद्यमान होने के बाद भी तात्कालीन नजूल अधिकारी ने उक्त विधि विरूद्ध आदेश पारित कर शासन को 60 करोड़ रूपये की क्षति पहुंचाई है जिसकी जांच उच्च स्तरीय स्तर पर कर कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। क्योंकि यह राजस्व पत्रों की हेराफरी कर भू माफियाओं से मिलकर तात्कालीन नजूल अधिकारी तथा उनका लिपिक और नमनाकला का हल्का पटवारी गणेश मिश्रा एवं राजस्व निरीक्षक(नजुल) नारायण सिंह और भू माफिया के द्वारा किया गया भू घोटाला है, जिसकी जांच करने से स्पष्ट रूप से पता चलेगा कि किस तरह से राजस्व अधिकारी भू माफियाओं से मिलकर सरगुजा जिले और खास तौर से अंबिकापुर तहसील में भूमि का करोड़ो घोटाला कर रहे हैं।

चार करोड़ का ऐसा कमाल की हाईकोर्ट में लंबित प्रकरण का निर्णय सुना दिया नजूल न्यायालय ने

शहर के राजमोहिनी देवी भवन के पीछे 60 करोड़ की जमीन फर्जीवाड़ा के मामले में कार्रवाई की प्रतीक्षा है। इस मामले ने राजस्व व नजूल विभाग के कुछ कर्मचारियों के स्वेच्छारिता की पोल खोल कर रख दी है। जिस बेशकीमती जमीन पर 50 वर्ष बाद कब्जा बताकर नामांतरण कर दिया गया उस जमीन का प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। जानकारों की माने तो न्यायालय से फैसला आने से पहले ही स्थानीय स्तर पर चार करोड़ रुपये में सेटिंग कर लगभग 60 करोड़ की जमीन का फर्जी तरीके से नामांतरण कर दिया गया। राजस्व व नजूल विभाग के जिन कर्मचारियों ने यह गड़बड़ी की है उनके द्वारा भू-माफिया के रूप में कार्य किया जा रहा है। एक तीसरे व्यक्ति को सामने खड़ा कर बेशक़ीमती जमीन को उसके नाम कर खुद जमीन बिक्री की जा रही है। अंबिकापुर शहर व इसके आसपास के इलाके में पहुंच और प्रभाव के दम पर जमीन फर्जीवाड़ा कमाई का सबसे बड़ा माध्यम रहा है। जमीन के धंधे में कई शासकीय कर्मचारी भी लाल हो चुके हैं। उन्हें किसी कार्रवाई का भी डर नहीं रहता है। यही कारण है कि उच्च अधिकारी भी सब कुछ जानते हुए शांत बैठे हुए हैं। इस मामले में अभी तक प्रशासनिक स्तर पर जांच के आदेश नहीं हुए हैं। नए साल के स्वागत और पुराने साल के विदाई में उच्च प्रशासनिक अमला भी व्यस्त है लेकिन जमीन फर्जीवाड़े के इस मामले में जनहित में जब तक कार्रवाई नहीं हो जाती तब तक इस गड़बड़ी की कहानी सामने लाई जाएगी जिसमें कई सफेद्दपोश शामिल बताए जा रहे हैं। शासन को करोड़ों रुपए का नुकसान कर अपनी जेबें भरने वालों को यूं ही नहीं छोड़ा जा सकता। उनकी काली कमाई के चिट्ठे सामने लाकर उच्च प्रशासनिकअधिकारियों को कार्रवाई के लिए मजबूर किया जाएगा।

यह है पूरा मामला...

जानकारों की मानें तो नगर अम्बिकापुर में राज मोहनी भवन के पास मोहल्ला नमना कला अंबिकापुर में खसरा नंबर 243 स्थित है,उक्त भूमि पूर्व में 111.40 एकड़ भूमि थी। जो कालांतर में शासकीय प्रयोगों के लिए उपयोग में लाई गई और कुछ भूमि पर शासन के द्वारा पट्टा प्रदान किया गया तथा इसी से संबंधित भूमि पर व्यवहारवाद क्रमांक 41-ए-90 निर्णय दिनांक 23.09.1991 विचाराधीन था। जिस पर निर्णय पारित किया गया है और वर्तमान में उक्त भूमि का प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय,बिलासपुर में विचाराधीन है। उक्त भूमि वर्तमान नक्शे में दत्ता कॉलोनी की भूमि खसरा नंबर 243 को भूमि डिग्री भूमि 233 के भाग में फर्जी तौर से समाहित कर नक्शा तैयार किया गया है। जबकि 233 खसरा नंबर भूमि का प्रकरण व्यवहारवाद में विचाराधीन था। जिसका अभी निराकरण नहीं होना बताया जा रहा है। इसी दौरान तात्कालीन नजूल अधिकारी,अंबिकापुर के न्यायालय में भू-माफिया द्वारा बन्सु आ0 भुट्कुल लोहार निवासी-फुन्दुरडिहारी, अंबिकापुर जिला सरगुजा के माध्यम से एक राजस्व प्रकरण. / अ-6/2021-22 में दिनांक 06.10.2022 को आदेश पारित किया गया है कि बंशु आ0 भुट्कुल के द्वारा नजूल भूमि खसरा नंबर 154,243/10 रकबा क्रमशः 0.934,1.710 भूमि का पट्टा तहसीलदार अंबिकापुर द्वारा राजस्व प्रकरण क्रमांक 1967-68 आदेश दिनांक 15.04.1968 के माध्यम से मोहल्ला नमना कला नगर अंबिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू खण्ड क्रमांक खसरा नंबर 154, 243/10 रकबा क्रमशः 934, 1.710 का पट्टा प्रदान किया गया है। किन्तु राजस्व अभिलेखों में नाम विलोपित हो गया है। जिसके आधार पर तात्कालीन नजूल अधिकारी तथा नजूल अधिकारी के लिपिक तिवारी एवं हल्का पटवारी गणेश मिश्रा व राजस्व निरीक्षक नारायण सिंह द्वारा मिलकर शासन की 60 करोड़ रूपये की भूमि का 04 करोड़ रूपये का मिलकर भू-माफियाओं से अवैध धन की उगाही कर भ्रष्टाचार कर नियम विरूद्ध शासकीय भूमि को बंशु आ0 भुट्कुल के नाम दर्ज करने का आदेश दिनांक 06.10.2022 को पारित करवा कर उक्त भूमि को अवैध प्लाटिंग कर 15-15 लाख रूपये प्रति डिसमिल से विक्रय किया जा रहा है। यह बहुत बडे भू-माफियाओं से मिलकर किया गया भूमि घोटाला है। जिसकी जांच कर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध तथा इसमें सम्मिलित व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही किया जाना न्यायहित में जनहित के लिए आवश्यक है।

फर्जी तौर से आगे के पन्नों में नाम उल्लेखित करने का लेख आदेश में किया गया...

राजस्व प्रकरण क्रमांक 107/अ-19/1967-68 आदेश दिनांक 15.04.1968 के अनुसार अंबिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 243/10 रकबा 4.25 एकड़ भूमि बंशु आ0 भुटकुल लोहार को भूमि प्राप्त हुई। खसरा पंचशाला वर्ष 1967-68 से वर्ष 1972-73 के आधार पर वर्ष में 241 के बाद 243/11 के बीच का पन्ना पृष्ठ क्रमांक 89 एवं 90 नहीं पाया गया, जिसके आभाव में खसरा कमांक 243/10 के स्वामित्व के संबंध में उल्लेखित नहीं किया जा सका। जो यह प्रमाणित करता है, कि उक्त वर्ष के खसरा पंचशाला में उसका नाम दर्ज नहीं है,जिस कारण से उक्त खसरा पंचशाला पृष्ठ क्रमांक 89 व 90 को फाड़ कर हटा दिया गया है ताकि सच्चाई प्रदर्शित न हो सके और फर्जी तौर से आगे के पन्नों में नाम उल्लेखित करने का लेख आदेश में किया गया है। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि उक्तभूमि वर्तमान में कई लोग निवासरत है तथा घनी आबादी की भूमि है, उस पर उसका कब्जा बताया जा रहा है तथा यह भी उल्लेखित किया जा रहा है कि चालू नक्शे के अनुसार भू-खण्ड कमांक 243/10 में आवेदक का कभी कब्जा नहीं रहा है। उसका चालू नक्शे के अनुसार 243/1 रकबा 38 एकड़,15 डिसमिल जो कि शासकीय नजूल भूमि का भाग है जो मौके पर खुली एवं परत भूमि है। उस भूमि पर कब्जा होने के कारण उसे 243/10 जोकि राजस्व भूमि बतायी गई थी के स्थान पर 243/1 में से रकबा 1.710 हेक्ट0 यानी 4 एकड़,25 डिसमिल भूमि नजूल का नामांतरण किया जाना उचित प्रतीत होने से नाम दर्ज करने का आदेश दिया गया है। यह कैसे संभव है, कि किसी को यदि कोई पट्टा राजस्व भूमि का 243/10 का यदि मिला भी होगा तो उसे उसके स्थान पर 50 साल के बाद नया भू-खण्ड 243/1 मे से 04 एकड़, 25 डिसमिल भूमि नाम दर्ज करने का आदेश दे दिया जाये साथ ही उसे राजस्व भूमि की तरह संबंधित अधिकारी ने भू माफियाओं से मिलकर तत्काल बेचने के उद्देश्य से दिनांक 07.10.2022 का नवीन संशोधन का उल्लेख करते हुए उसे 20 वर्ष पूर्ण करने के आधार पर भू स्वामी अधिकार भी प्रदान कर दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)